RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 68 ● भिलाई, शुक्रवार 12 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़
के कार्यसमिति सदस्य व रायपुर प्रभारी

मनीष पाण्डेय जी

को

जन्मदिन

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.

मा. श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ शासन

विष्णु पाठक

पूर्व विधायक प्रतिनिधि, दुर्ग ग्रामीण विधानसभा बीजेपी, उपाध्यक्ष, सरयूपारीय ब्राह्मण समाज भिलाई
राष्ट्रीय संरक्षक, सनातन पुरोहित महासभा , सामाजिक कार्यकर्ता, मोबा. : 9302922191

जुनवानी नाले में मछली पकड़ने गए दो डूबे

एक को बचाने दूसरा कूदा वो भी बहा, एसडीआरएफकी टीम ने रेस्क्यू कर शव बाहर निकले

बारिश के कारण नाल ा है उफान पर

भिलाई। जुनवानी स्थित नाले में बीती रात दो लोग बह गए। दोनों यहां मछली पकड़ने पहुंचे थे और एक का पैर फिसला और तेज बहाव में बहता चला गया। वहीं दूसरा युवक उसे बचाने के लिए कूदा लेकिन वह भी बह गया। हादसे की सूचना के बाद एसडीआरएफकी टीम रात से ही रेस्क्यू में जुटी हुई है।

घटना जुनवानी रोड पर एमजे कॉलेज के पास नाले की है। भिलाई स्टील प्लांट से निकले इस नाले से प्लांट का गंदा पानी कुठेलाभाटा के ट्रीटमेंट प्लांट में साफ होता है। इन दिनों बारिश के कारण नाला उफान पर है। एमजे कॉलेज के पास नाले में एनिकट जैसा बना है। बारिश के कारण यहां बहाव भी काफी तेज है। एनिकट पर पवन खुटेल व पिल्लू नाम के शख्स मछली पकड़ने पहुंचे थे।इन्होंने नाले में जाल बिछा रखा था। इस दौरान एक का पैर फिसला और वह बहने लगा। इसके बाद उसे बचाने दूसरा भी कूदा लेकिन बचा नहीं पाया और वह भी बह गया। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और इसके बाद एसडीआरएफको भी दी गई। रात में अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू नहीं हो पाया। बुधवार की सुबह फिर से एसडीआरएफकी टीम द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया गया। डूबे दोनों व्यक्ति के शव को एसडीआरएफकी टीम ने काफी मशक्कत के बाद नाले से बाहर निकाला। एक व्यक्ति के शव को पहले निकाल लिया गया था गुरुवार सुबह डूबे दूसरे व्यक्ति के शव को बाहर निकाला गया। गौरतलब है कि जुनवानी के इस नाले में अक्सर लोग मछली पकड़ने पहुंचते हैं। थोड़ी सी भी लापरवाही यहां बड़े हादसे का कारण बन सकती है अभी बरसात के दौरान नाला पूरी तरह से उफान पर है। नाले के समीप लोगों को आने से रोकने निगम प्रशासन को पहल किए जाने की जरूरत है। ताकि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना हो सके।

निष्क्रिय खातों की राशि शासन की लोक लेखा में होगी जमा

समय-सीमा बैठक में विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग से संबंधित सभी निष्क्रिय जमा खातों में शेष राशि को तत्काल शासन की लोक लेखा में जमा कराया जाए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी योजना के लिए केवल एक ही खाता होना चाहिए। यदि किसी योजना के अंतर्गत एक से अधिक खाते पाए जाते हैं, तो संबंधित अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर सिंह ने यह भी निर्देश दिया कि अब सभी फाइलें केवल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की सूची का सत्यापन कार्य पूर्ण होने की जानकारी अधिकारियों ने दी। उन्होंने कहा कि यदि उद्योग विभाग को अभी तक औद्योगिक भूमि का आबंटन नहीं हुआ है, तो राजस्व विभाग संबंधित रिकॉर्ड का शीघ्र दुरुस्तीकरण करे। कलेक्टर ने एसडीजी डैशबोर्ड में की जा रही डाटा एंट्री की भी समीक्षा की और राजस्व विभाग के अंतर्गत पटवारी से लेकर उच्च अधिकारियों के वार्षिक कार्य मूल्यांकन के लिए स्पायरो पोर्टल के अनिवार्य उपयोग के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को धार्मिक संस्थाओं को आबंटित भूमि की सूची शीघ्र तैयार करने कहा। जनगणना 2027 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर सिंह ने प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की सूची की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि सूची का निर्माण कार्य प्रगति पर है। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत वय वंदना कार्ड की स्थिति की भी समीक्षा की गई और कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। विद्यार्थियों के स्थाई जाति प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र से संबंधित जानकारी ऑनलाइन आवेदन किए जा चुके हैं, जिस पर तहसीलदारों को प्राथमिकता से कार्यवाही करने को कहा गया है। इसके अलावा विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट के लिए स्कूलवार कैम्प लगाने के निर्देश भी दिए गए। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया गया। धान उपार्जन हेतु पीडीएस बारदाना के एकत्रीकरण एवं सुरक्षित रखरखाव की स्थिति की समीक्षा में अधिकारियों ने पर्याप्त व्यवस्था होने की जानकारी दी गई।

सामाजिक सहायता योजनाओं के अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का आधार आधारित वार्षिक सत्यापन अब मोबाइल एप 'बेनिफिशिरी सत्यापन एप' के माध्यम से किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी नगर निगमों और नगर पंचायतों को पेंशन हितग्राहियों का पंजीयन शीघ्र पूरा करने को कहा।

बैठक में ई-वेस्ट के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों व सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय निकायों द्वारा ई-वेस्ट के संग्रहण हेतु पृथक कलेक्शन सेंटर्स की स्थापना की जाए। उन्होंने कहा एकत्रित ई-कचरे का निपटान केवल प्राधिकृत इकाइयों के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए। स्थानीय निकाय यह सुनिश्चित करेंगे कि ई-कचरा सामान्य नगरपालिका ठोस अपशिष्ट में न मिले, और यदि ऐसा पाया जाता है, तो उसे उचित रूप से पृथक कर अधिकृत रिसाइकलर या रिफर्बिशर को भेजा जाए। साथ ही लावारिस और अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों से उत्पन्न ई-कचरे को भी निर्धारित मानकों के अनुसार प्रोसेस कर निपटाया जाए, ताकि पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

अपनी सुविधा के लिए निगम की जमीन पर बनाया पुलिया

एप्रोच रोड से जोड़कर नई रोड का किया जा रहा था निर्माण

निगम की टीम ने कार्य रुकवा कर पंचनामा किया तैयार

नगर निगम आयुक्त को मिली थी शिकायत

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक-1 नेहरू नगर अंतर्गत खसरा नंबर 199 शासकीय भूमि शंकराचार्य मेडिकल कालेज के पास अजय बाफना द्वारा अपने प्राइवेट जमीन से एप्रोच रोड में रोड बनाया जा रहा था। बाफना द्वारा स्थल पर अपने आवागमन के साधन के लिए पुलिया का निर्माण कर लिया था। जिसकी शिकायत नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडे को प्राप्त हुई थी। शिकायत प्राप्त होते ही आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला एवं उनकी टीम मौके पर पहुंची। मौके पर निरीक्षण में पाया गया कि अजय बाफना द्वारा एप्रोच रोड से जोड़कर नई रोड का निर्माण किया जा रहा था, जिसे तत्काल रूकवा कर पंचनामा तैयार कराया गया। इस संबंध में कार्यवाही के लिए नोटिस भी जारी किया गया है। नगर निगम के अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग नहीं किए जाने की वजह से ऐसी स्थिति देखने को मिलती है। जिसमें लोग अपनी सुविधा के लिए सड़क से लेकर पुलिया तक का निर्माण कर लेते हैं। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी संजीव तिवारी, शशांक सिंह, इमान सिंह कन्नौज, यश मेश्राम, मंगल जांगड़े, राजेन्द्र सिंह, गौरकरण, विष्णु सोनी उपस्थित रहे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने अभिनव पहल

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने ''प्रचार रथ'' को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दुर्ग। सरकार की महत्वाकां पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को जन सामान्य तक पहुँचाने के लिए प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की गई। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विशेष पहल करते हुए पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़कर लाभान्वित हो सकें। यह प्रचार रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करेगा, जहाँ यह लोगों को योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देगा। रथ के माध्यम से लोगों को यह बताया जाएगा कि वे अपने घरों की छतों पर सौर ऊर्जा प्रणाली कैसे स्थापित कर सकते हैं और बिजली के भारी बिलों से छुटकारा पाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में योगदान कर सकते हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य देश के हर घर को सौर ऊर्जा से रोशन करना है। इस योजना के तहत, केन्द्र तथा राज्य सरकार सौर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी प्रदान करती है, जिससे यह आम लोगों के लिए सस्ती और सुलभ हो जाती है। प्रचार रथ का उद्देश्य इस योजना के लाभों, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल, हर्ष मेश्राम, अधीक्षण अभियंता जे. जगन्नाथ, ई.ई. एस.के. महादुले, ए.ई. डिलेन्द्र देशमुख एवं ए.ई. महेंद्र साहू सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शराब सेवन के बाद सभी ने खोया अपना आपा

अपचारी बालक के साथियों ने रोशन की ली जान

मामला स्टेशन मरोदा के स्कूल ग्राउंड का

भिलाई। नेवई थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक की हत्या करने वाले उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में तीन आरोपियों सहित एक विधि से संघर्षरत अपचारी बालक को हिरासत में लिया गया है। पूरी घटना स्टेशन मरोदा के स्कूल ग्राउंड परिसर में घटी। मृतक रोशन कुमार ठाकुर अपचारी बालक की बर्थडे पार्टी में गया हुआ था। जहां अपचारी बालक के साथी पहले से मौजूद थे। यहां शराब पीने के बाद रोशन ठाकुर बर्थडे बॉय से गाली गलौज कर उसे मारने लगा जिसका विरोध साथ बैठे युवकों ने किया बावजूद इसके मृतक अपचारी बालक को मारता रहा। दोनों के बीच हो रही लड़ाई को देखकर साथ बैठे अपचारी बालक के साथी भी रोशन को मारने के लिए उठे।इसी दौरान अपचारी बालक और आकाश कुमार प्रसाद ने वहां पड़े सीमेंट के ईट को उठाकर मृतक के सिर में मारा सिर कुचल जाने से दोनों डर कर वहां से भाग गए गंभीर चोट लगने से मृतक रोशन ठाकुर की मौके पर ही मौत हो गई थी।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जगमगाया ओमप्रकाश साहू का घर, बिजली बिल की चिंता खत्म

दुर्ग। दुर्ग जिले के रसमड़ा गाँव में रहने वाले ओमप्रकाश साहू ने सरकार की महत्वाकां पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर अपने घर को रोशन कर दिया है। अब उनके घर का बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है और वे बिजली के भारी-भरकम खर्च से लगभग पूरी तरह से मुक्त हो चुके हैं।

पहले की परेशानी, अब की मुस्कान- साहू ने बताया कि पहले बिजली बिल उनकी मासिक बजट का एक बड़ा हिस्सा हुआ करता था। लेकिन अब, जब से उन्होंने अपने घर पर सोलर पैनल लगवाया है, उनका बिजली बिल लगभग खत्म हो गया है, जिससे उनके चेहरे पर राहत की मुस्कान है। उन्होंने 3 किलोवॉट का टाटा सोलर ऑन-ग्रिड सिस्टम लगवाया है। सिस्टम लगवाने के लिए साहू को सरकार से 78 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने अभी 20 हजार रूपए लगाए है और बाकि पैसे किश्तों में दे रहे हैं। सोलर पैनल से उनके घर को निर्बाध सौर ऊर्जा मिल रही है।

भविष्य की योजनाएं-इस योजना से मिली बचत से साहू बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया जो पैसे पहले बिजली बिल में खर्च होते थे, उन्हें अब वे अपने और अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए उपयोग कर रहे हैं। इस योजना के लिए उन्होंने केन्द्र तथा राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा सौर उर्जा प्राकृतिक संसाधनों की कमी के इस दौर में सतत् ऊर्जा का एक उत्तम माध्यम है।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम : भिलाई निगम का दवा छिड़काव और सर्वे अभियान जारी

भिलाईनगर। बरसाती मौसम में डेंगू-मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर पालिक निगम भिलाई सक्रिय मोर्चे पर उतर आया है। जोन-01 नेहरू नगर अंतर्गत निगम का स्वास्थ्य अमला लगातार वार्डों में जाकर सर्वे कर रहा है और दवा छिड़काव का अभियान जारी है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देश पर वार्ड क्रमांक 18 कट्टिकटर कॉलोनी क्षेत्र के बजरंग चौक, सड़क-21 संगीता किराना स्टोर और आमोद भवन के आसपास घर-घर जाकर कुलर, पानी की टंकियां, शौचालय, बाथरूम, नालियां और कंटेनरों की जांच की गई। जहां भी बरसाती पानी जमा पाया गया, उसे तुरंत खाली कराया गया। डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए जिला मच्छर उन्मूलन टीम द्वारा मैलाथियान, टेमीफ स और जला ऑयल का छिड़काव किया जा रहा है। साथ ही नागरिकों को जागरूक करते हुए बताया गया कि बीमारी के लक्षण दिखने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच और उपचार कराएं। स्वच्छता निरीक्षक के.के. सिंह के नेतृत्व में नागरिकों को स्वास्थ्य शिक्षा भी दी जा रही है। लोगों को उबला हुआ पानी पीने, गर्म भोजन करने और बाहर के अस्वच्छ खाद्य पदार्थों से बचने की सलाह दी गई। निगम की अब तक की कार्रवाई में 1 अप्रैल से लेकर अब तक कुल 9,650 घरों का सर्वे किया गया है। इसमें 33,104 कुलर, टंकियां, ड्रम और कंटेनरों की जांच की गई, जिनमें से 4,959 को खाली कराया गया। निगम का यह सतत अभियान नागरिकों को मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखने में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

कलेक्टर सिंह ने कोविड-19 में माता-पिता को खो चुके बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर किया संवाद

बच्चों से शिक्षा और स्वास्थ्य की जानी स्थिति

दुर्ग। कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खो चुके 13 बच्चों से कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आत्मीय मुलाकात कर संवाद किया। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करते हुए उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने बच्चों से उनके वर्तमान विद्यालय, पढ़ाई की स्थिति और रुचियों के बारे में विस्तार से पूछा। उन्होंने यह भी जाना कि बच्चे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं और किस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। उन्होंने छात्रवृत्ति की उपलब्धता और शासन द्वारा दी जा रही अन्य सहायता योजनाओं के बारे में भी बच्चों से सीधे जानकारी ली। भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पीएम केयर्स में लाभान्वित बालक/ बालिकाओं को स्पांसरशिप योजना, महतारी दुलार योजना, एक्सग्रेसिया (आपदा प्रबंधन राहत कोष), 23 वर्ष पूर्ण होने पर एकमुश्त 10 लाख रूपए की राशि, कक्षा पहली से 12वीं तक अध्ययनरत लाभार्थियों को प्रति वर्ष 20 हजार रूपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जारी कार्ड के उपयोग और लाभों के बारे में बच्चों से पूछा। उन्होंने महिला एवं बाल विकास अधिकारी आर.के. जाम्बुलकर को निर्देशित किया कि सभी बच्चों का आयुष्मान कार्ड बनाना और उनका बायोमेट्रिक अपडेट सुनिश्चित किया जाए। मुलाकात के दौरान बालिका शुभी ठाकुर जो वर्तमान में बीआईटी कालेज में सिविल द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत है जो कि मेडिकल स्टोर की एजेंसी डालना चाहता है, कलेक्टर ने दो वर्ष जन औषधि केन्द्र में नौकरी करने के पश्चात मेडिकल स्टोर खोलने हेतु सुझाव दिया गया। कलेक्टर सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि सभी बच्चों के नाम से बैंक खाते सक्रिय हों और इनमें छात्रवृत्ति सहित अन्य आर्थिक सहायता समय पर जमा हो रही हो। उन्होंने कहा कि कोविड काल में माता-पिता को खो चुके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शासन-प्रशासन द्वारा हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान कलेक्टर ने अपने व्यक्तिगत अनुभव भी बच्चों से साझा किए, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास और अपनापन महसूस हुआ।

नीम, पीपल, गुलमोहर व फलदार पौधों का किया गया रोपण, हरित दुर्ग की नई पहचान बनेगा वृक्षारोपण अभियान

महापौर ने बोरसी मुक्तिधाम में किया वृक्षारोपण,मां के नाम पौधा सुरक्षित कर वृक्ष बनाने का लिया संकल्प

दुर्ग। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नगर निगम लगातार सराहनीय पहल कर रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के महापौर अलका बाघमार ने मंगलवार को वार्ड 52 बोरसी मुक्तिधाम परिसर में प्रभारी काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद गुलशनसाहू, साजन जोसफे, उपअभियंता पंकज साहू, उद्यान प्रभारी अनिल सिंह के साथ मिलकर विभिन्न प्रजियो का पौधों का रोपण किया। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने मुक्तिधाम के बाउंड्रीवाल मरमत एवं मुक्तिधाम के भीतर सड़क व्यवस्थित करने के निर्देश मौजूद अधिकारी को दिए। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने मां के नाम एक पौधों को सुरक्षित कर वृक्ष बनाने का संकल्प भी लिया। महापौर ने कहा सिर्फ पौधे लगाए बल्कि उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी अपने ऊपर ली। महापौर ने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि यह सिर्फ पौधा लगाने का काम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए जीवनदान देने जैसा है। अभियान के तहत नीम, पीपल, गुलमोहर, करंज, कदम और विभिन्न फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इन्हें ऐसे स्थानों पर रोपा गया जहाँ सुरक्षित रखकर पानी देने और देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। महापौर ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी तय की जाए ताकि ये आने वाले वर्षों में विशाल वृक्ष का रूप ले सकें। महापौर ने कहा कि यदि हम आज पेड़ लगाएंगे तो कल हमारे बच्चे प्रदूषण रहित वातावरण में सांस ले सकेंगे। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे पेड़ों को काटने से बचें और पौधों का संरक्षण करें। मौके पर उपस्थित सभी लोगों को वृक्षों की सुरक्षा करने और उन्हें बढ़ाने की शपथ भी दिलाई गई। पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे ने कहा नगर निगम क्षेत्र में आयोजित यह वृक्षारोपण कार्यक्रम केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया गया कदम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली और स्वच्छता का संकल्प भी है। महापौर, प्रभारी, वार्ड पार्षद और वार्डवासियों द्वारा लगाए गए ये पौधे जब विशाल वृक्ष बनेंगे, तो निश्चित ही यह क्षेत्र हरित दुर्ग शहर की नई पहचान बनेगा।

मृतकों के परिजनों को मिली 20 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 20 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भेड़सर थाना पुलगांव तहसील व जिला दुर्ग निवासी सियाराम देशमुख विगत 22 सितंबर 2024 को नदी के तेज बहाव में बह जाने के बाद 23 सितंबर 2024 को मृत अवस्था में पाए गए थे। इसी प्रकार ग्राम वार्ड न. 02 राजीव नगर दुर्ग निवासी लक्ष्मीनारायण महार की विगत 15 अगस्त 2024 को मठपारा के कुएं में डुबने से मृत्यु हो गयी थी। विजय चौक स्टेशन मरोदा थाना नेवई जिला दुर्ग निवासी मती चन्द्रकिरण चन्द्रवंशी की विगत 20 नवंबर 2022 को खाना पकाते वक्त कपड़ों में आग लग जाने से उपचार के दौरान 24 नवंबर 2022 को मृत्यु हो गई थी। ग्राम गिरहोला तहसील अहिवारा जिला दुर्ग निवासी बालक प्रीतम कुमार की विगत 18 फरवरी 2024 को खेलते हुए कुएं में गिर जाने से और मिलन चौक ग्राम जोरातराई तहसील व जिला दुर्ग निवासी रूपा दीप की विगत 04 सितंबर 2024 को तालाब में डूबने से मृत्यु हुई थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. सियाराम देशमुख की पत्नि मती ईन्द्राणी देशमुख को, स्व. लक्ष्मी नारायण महार के माता व पिता मती कुमारी बाई एवं किशन महार को संयुक्त रूप से, स्व. मती चंद्रकिरण चंद्रवंशी के पति लक्ष्मण चंद्रवंशी को, स्व. प्रीतम कुमार के पिता संदीप कुम्हार को तथा स्व. रूपा दीप की पुत्री सीमा दीप को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

संक्षिप्त समाचार

गांव में पादरी-पास्टर के प्रवेश पर प्रतिबंध को लेकर दायर याचिका खारिज, कोर्ट ने कहा- ग्राम पंचायत को भी पक्षकार बनाना जरूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में कुछ गांवों में पादरी और पास्टर के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंधात्मक होर्डिंग को लेकर उठे विवाद पर हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद ईसाई संगठनों की जनहित याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में संबंधित ग्राम पंचायत को पक्षकार नहीं बनाया गया, जबकि यह निर्णय ग्रामसभा की सहमति से लिया गया था। ऐसे में पंचायत की भूमिका को अनदेखा नहीं किया जा सकता। दरअसल, भानुप्रतापपुर ब्लॉक के ग्राम घोटिया सहित कुछ अन्य गांवों में ग्रामीणों ने होर्डिंग लगाकर ईसाई प्रचारकों के गांव में प्रवेश पर रोक लगा दी थी। इन होर्डिंग्स में स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि पादरी, पास्टर या धर्मांतरण के उद्देश्य से आने वाले व्यक्तियों का गांव में प्रवेश वर्जित है, और ऐसे किसी भी धार्मिक आयोजन पर रोक है। इस फैसले का विरोध करते हुए ईसाई समाज से जुड़े संगठनों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि यह कदम न सिर्फ भेदभावपूर्ण है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन भी है। उन्होंने मांग की थी कि होर्डिंग को तत्काल हटाया जाए और संबंधित ग्राम पंचायत पर कार्रवाई की जाए। वहीं, शासन की ओर से तर्क दिया गया कि बाहरी लोग गांवों में आकर आदिवासी समुदाय को धर्मांतरण के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे उनकी पारंपरिक आस्था और पूजा-पद्धति पर असर पड़ता है। इसी वजह से ग्रामसभा ने प्रस्ताव पारित कर ऐसे लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह माना कि यदि कोई निर्णय ग्रामसभा द्वारा लिया गया है तो ग्राम पंचायत को इस मामले में पक्षकार बनाया जाना चाहिए था। इसी आधार पर कोर्ट ने फ्लिहाल याचिका को खारिज कर दिया।

नवजात शिशु फेंकने के मामले में युवती गिरफ्तार, जांच जारी

रायपुर। थाना खम्हरिया क्षेत्र में एक नवजात बच्ची को बोरी में फेंकने के मामले में पुलिस ने एक युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस को इस केस की तह तक पहुंचने में त्रिनयन एप, डॉग स्क्वॉड, सीन ऑफक्राइम यूनिट और तकनीकी जांच टीम की सहायता मिली। घटना 24 अगस्त 2025 की है, जब कोठार गांव में एक निर्माणाधीन मकान के मालिक ने पुलिस को जानकारी दी कि दोपहर करीब 12:30 बजे उसे मकान के कोने में हल्के नीले रंग की बोरी में एक नवजात बच्ची मिली, जो जीवित थी। तत्काल पुलिस टीम ने बच्ची को इलाज के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे रायपुर रेफर किया गया। दुर्भाग्यवश, रायपुर में इलाज के दौरान नवजात की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मामले की गंभीरता से जांच शुरू की गई। मुखबिर की सूचना पर एक संदिग्ध युवती को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ के दौरान बताया कि उसने ही बच्ची को जन्म दिया और पहचान छुपाने के उद्देश्य से उसे फेंक दिया। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी युवती को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में नवजात की मृत्यु होने के कारण भारतीय न्याय संहिता की धारा 91 क्वहस् भी जोड़ी गई है। हालांकि, आरोपी युवती के परिजन पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि युवती निर्दोष है और पुलिस ने महज संदेह के आधार पर उसे पकड़ा है। वे उसकी रिहाई की मांग कर रहे हैं। फ्लिहाल मामले की जांच अभी भी चल रही है।

गणेश विसर्जन झांकी के दौरान अपराधियों, असामाजिक तत्वों व संदिग्ध व्यक्ति यों के विरूद्ध कार्यवाही

रायपुर। पुलिस की सक्रियता, मुस्तैदी एवं तत्परता से नहीं घटी किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना। आरोपियों के कब्जे से लगभग एक दर्जन से अधिक चाकू व कैंची किया गया जप्त। हजारों बदमाशों एवं शरारती तत्वों के हाथों में पहने कड़ा वजनी लगभग 20 किलोग्राम को भी किया गया जप्त। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर श्री अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा रायपुर के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को गणेश विसर्जन झांकी को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने तथा बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। जिसके तहत रायपुर पुलिस द्वारा गणेश विसर्जन झांकी के दौरान दिनांक 08-09.09.25 की दरम्यानी झांकी में बदमाश, संदिग्ध व्यक्ति, असमाजिक तत्व व उपद्रव मचाने वाले 100 से अधिक बदमाशों/संदिग्धों/अपराधिक तत्वों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं की कार्यवाही कर जेल भेजने के साथ ही झांकी व आसपास के क्षत्रों में अवैध रूप से चाकू, कैंची व अन्य हथियार रखकर घुमते व आम लोगों को आतंकित करते 10 से अधिक आरोपियों के विरूद्ध आर्म्स एक्ट की कार्यवाही कर चाकू व कैंची जप्त किया गया तथा थाना मौदहापारा में 01 आरोपी को चोरी करते गिरफ्तार कर कार्यवाही किया गया। झांकी के दौरान भीड़ में कुछ बदमाशों एवं शरारती तत्वों द्वारा अपने हाथों में पहने कड़ा से आम लोगों के सिर में मारकर चोट पहुंचाया जा रहा था, कि पुलिस टीम के सदस्यों द्वारा ऐसे हजारों लोगों की पहचान कर उनके हाथों में पहने कड़ा वजनी लगभग 20 किलोग्राम को उतरवाकर जप्त किया गया।

अब कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं, एकल-शिक्षकीय विद्यालयों की संख्या घटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण निर्देशों के प्रावधानों के तहत राज्य में व्यापक युक्तियुक्तकरण की कार्यवाही की गई है। इस बड़े कदम के फलस्वरूप 16,165 शिक्षकों एवं प्राचार्यों का समायोजन किया गया है। अब प्रदेश का कोई भी विद्यालय शिक्षक-विहीन नहीं है। उल्लेखनीय है कि पहले जहां 5,936 विद्यालय एकल-शिक्षकीय थे, वहीं युक्तियुक्तकरण के बाद केवल 1,207 प्राथमिक शालाएँ शिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण एकल-शिक्षकीय रह गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन विषयवार किया गया है। यदि किसी संस्था में किसी एक विषय का शिक्षक अतिशेष पाया गया, किन्तु उसी संस्था में सेटअप के आधार पर किसी अन्य विषय का पद रिक्त था, तो ऐसे अतिशेष शिक्षक का युक्तियुक्तकरण करते हुए आवश्यकता के आधार पर रिक्त विषय के पद पर उस विषय के शिक्षक की पदस्थापना की गई है।

मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का बजट 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये किया गया

आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज कोरबा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन के बाद आज की यह प्रथम बैठक एक नए संकल्प और दृष्टिकोण के साथ आयोजित हो रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के कल्याण और समग्र विकास के लिए सरकार सभी ठोस कदम उठा रही है। विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने मध्य क्षेत्र अंतर्गत निवासरत अनुसूचित जनजाति समुदाय के बेहतर विकास के लिए प्राधिकरण की बजट राशि 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर, सरगुजा और मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरणों के साथ-साथ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों का गठन कर समावेशी विकास की दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इन प्राधिकरणों का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और जनसुविधाओं को हर गाँव, हर परिवार तक पहुँचाना है। पूर्व सरकार की लचर कार्यप्रणाली के कारण प्राधिकरणों के कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी रही। निगरानी के अभाव में कई योजनाएँ धरातल पर नहीं उतर पाईं। हमारी सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए प्राधिकरणों का पुनर्गठन किया है। प्राधिकरण में जनप्रतिनिधित्व को और व्यापक बनाने के लिए सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गई है। अब प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा और लोकसभा सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष और अन्य महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधि इसके सदस्य बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, आदिवासी विकास के

क्षेत्र में कार्यरत दो समाजसेवियों और विशेषज्ञों को प्राधिकरण का सदस्य मनोनीत करने का निर्णय लिया गया है, ताकि उनके अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ विकास योजनाओं को मिल सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में आदिवासी समुदायों के लिए विशेष योजनाएँ लागू करने पर सरकार विशेष जोर दे रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू की गई धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और पीएम जनमन योजना ने छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएँ खोली हैं। इन योजनाओं के तहत आवास, सड़क, बिजली, पानी और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे बुनियादी ढाँचों का विकास तेजी से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मध्य क्षेत्र में आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए स्व-सहायता समूहों को और मजबूत करने पर बल दिया जा रहा है। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, ऋण सुविधाएँ और बाजार से जोड़ने की पहल की जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। मध्य क्षेत्र के युवाओं के लिए तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार और स्व-रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति समृद्ध है। हमें जनजातीय संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित रखने की दिशा में कार्य करना होगा। विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि की व्यवस्थाओं में प्राधिकरण मुख्य भूमिका निभाएगा। उन्होंने आदिवासी समाज के लोगों को शराब छोड़ने के लिए प्रेरित करने हेतु पुनर्वास केंद्र, प्रारंभिक शिक्षा, खेल और विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के खेतों में सिंचाई हेतु स्थायी पंप कनेक्शन उपलब्ध कराने के सुझाव दिए।

कांग्रेस में नेतृत्व की लड़ाई पर सचिन पायलट ने कहा-एकजुट होकर लड़ेंगे 2028 का चुनाव

■ डबल इंजन की सरकार केवल धुआं फेक रही, जनता का काम नहीं कर रही

रायपुर/ संवाददाता

कांग्रेस में चुनाव नेतृत्व को लेकर चल रही लड़ाई पर छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने कहा, 2028 का चुनाव एकजुट होकर लड़ेंगे। कांग्रेस चुनाव लड़ती है, तो कार्यकर्ता चुनाव लड़ते हैं। सभी व्यक्ति को जिम्मेदारी दी जाती है। हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे। व्यक्ति विशेष का मामला नहीं है। भापजा सरकार पर तंज कसते हुए कहा, डबल इंजन की सरकार केवल धुआं फेक रही है। जनता के परेशानियों का काम नहीं कर रही है। बिलासपुर में आज होने वाले 'वोट चोरी' को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पहुंचे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा में कहा, वोट चोरी को लेकर राहुल गांधी ने तमाम तथ्य रखे हैं। निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्ट नहीं देने का कानून बदल दिया। यह तमाम चीजे दर्शाती हैं कि कुछ ना कुछ गड़बड़ी है, इसको लेकर आगे भी खुलासा करेंगे। छत्तीसगढ़ की जनता को भी बताएंगे कि कैसे वोट चोरी हो रही है, इसके बाद कांग्रेस हस्ताक्षर अभियान भी चलाएगी। वहीं यूनिफाइड कमांड की बैठक को लेकर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने कहा कि इसमें बीजेपी राजनीतिक फायदा लेने की

कोशिश करती है। रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए सचिन पायलट ने केंद्र की डबल इंजन सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सरकार केवल दिखावा कर रही है और धरातल पर जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर कोई ठोस काम नहीं हो रहा है। सचिन पायलट बिलासपुर में प्रस्तावित कांग्रेस के 'वोट चोरी' विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही इस मुद्दे पर कई तथ्य सामने रख चुके हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा वोटर लिस्ट साझा न करने के नियम में बदलाव भी संदेह को जन्म देता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आने वाले समय में और खुलासे किए जाएंगे और जनता को बताया जाएगा कि किस तरह से वोट चोरी की जा रही है। इसके तहत कांग्रेस जल्द ही एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाएगी। यूनिफाइड कमांड की बैठक को लेकर उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी इसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि इस बैठक में पारदर्शिता होनी चाहिए और केवल प्रचार-प्रसार नहीं बल्कि वास्तविक कार्यों पर ध्यान देना चाहिए।

जिले में युक्तियुक्तकरण से सुदृढ़ हुई शिक्षा व्यवस्था...

■ प्राथमिक शाला छुईहा में अब पर्याप्त शिक्षक

■ राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे

रायपुर/ संवाददाता

शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे युक्तियुक्तकरण के सकारात्मक परिणाम अब दिखने लगे हैं। बलौदाबाजार विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला छुईहा (माल गुजारी) में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत दो शिक्षकों की अतिरिक्त पदस्थापना की गई है। इसके साथ ही विद्यालय में शिक्षकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है, जिससे बच्चों की पढ़ाई व्यवस्थित और सुचारू रूप से हो रही है। विद्यालय में वर्तमान में 106 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं, जिनमें 54 छात्र और 52 छात्राएँ शामिल हैं। पहले विद्यालय में केवल दो शिक्षक पदस्थ थे, जिससे सभी विषयों का नियमित अध्यापन संभव नहीं हो पा रहा था। अब दो नए शिक्षकों के जुड़ने से विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय की पढ़ाई गुणवत्तापूर्ण ढंग से मिल रही है। युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत शासकीय नवीन प्राथमिक शाला इंद्रा कॉलोनी बिनौरी से श्रीमती मंजूषा वर्मा तथा शासकीय प्राथमिक शाला रवान से श्रीमती चंद्रकला सोनवानी की पदस्थापना की गई है। शिक्षकों की संख्या दोगुनी होने से बच्चों और अभिभावकों में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल है। कक्षा पाँचवीं की छात्रा दीपिका घृतलहरे ने कहा कि पहले केवल दो शिक्षक थे, जिसके कारण सभी विषयों की पढ़ाई संभव नहीं हो पाती थी, लेकिन अब चार शिक्षक हो जाने से सभी विषय अच्छे से पढ़ाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का कहना है कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। युक्तियुक्तकरण की इस पहल से न केवल शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार भी मिल रहा है। यह कदम आने वाली पीढ़ी के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव रखेगा। विद्यालय में शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता से न केवल पठन-पाठन व्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

भगवा ध्वज विवाद पर स्पष्ट रुख

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का बड़ा बयानः धर्मांतरण पर सख्त कानून

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने राजधानी रायपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने दुर्ग जिले के मचांदुर गांव में एक आर्मी जवान के घर पर भगवा झंडा लगाने को लेकर हुए विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया दी। साथ ही धर्मांतरण पर सख्त कानून लाने की तैयारी की भी जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जिस सैनिक के घर भगवा ध्वज लगाया गया था, उसी से विवाद किया गया। अब उनके घर पर फिर से भगवा झंडा फहराया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे

युवा मोर्चा के अध्यक्ष राहुल टिकरिया खुद भगवा ध्वज लेकर वहां जा रहे हैं। भारत की आस्था और धर्म पर कोई हमला होगा तो हम चुप नहीं बैठेंगे। शर्मा ने धर्मांतरण के मामलों को लेकर चिंता जताई और कहा कि कई इलाकों से प्रलोभन देकर धर्मांतरण की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पर एक नया कानून ला रही है, जिससे पुलिस को कार्रवाई में आसानी होगी और समाज में उत्पन्न हो रहे तनाव को रोका जा सकेगा। बिलासपुर में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'वोट चोरी' जनसभा पर टिप्पणी करते हुए शर्मा ने कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा, वास्तविकता यह है कि वोट चोरी जैसा कोई मुद्दा है ही नहीं। राहुल गांधी ने सिर्फ एक हवा बनाई और कांग्रेस उसमें बह चली। राहुल गांधी को चुनाव प्रक्रिया की समझ नहीं है, क्योंकि उन्होंने कभी पोलिंग या काउंटिंग एजेंट के रूप में काम नहीं किया।

काजल नदी में तेज बहाव ने ली एक युवक की जान, दो ग्रामीण बाल-बाल बचे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी ज़िले के दुगली थाना क्षेत्र अंतर्गत जबर्रा गांव के पास स्थित काजल नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण एक बड़ा हादसा हो गया। नदी पार करने के प्रयास में तीन ग्रामीण पानी के तेज बहाव में बह गए। इनमें से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग किसी तरह तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान मनिहार मरकाम के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों युवक बाइक से दवाई लेने गरियाबंद के रावनडीही गए थे। लौटते वक्त उन्होंने काजल नदी को पार करने का प्रयास किया, लेकिन अचानक तेज बहाव आने से वे बाइक समेत नदी में बह गए। घटना की जानकारी मिलते ही दुगली पुलिस मौके पर पहुंची।

प्रधानमंत्री मोदी की ड्रीम योजना हो रही बेहद लोकप्रिय

कारखाना भी चलने लगे अब सूर्यघर योजना की बिजली से

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम जनता के बीच निरंतर लोकप्रिय हो रही है। इस योजना ने न केवल घरेलू उपभोक्ताओं को महंगे बिजली बिल से राहत दी है, बल्कि अब व्यावसायिक उपयोग के लिए भी लोग इसका लाभ उठाने लगे हैं। इससे उपभोक्ताओं को आत्मनिर्भरता के साथ-साथ दीर्घकालिक बचत भी सुनिश्चित हो रही है। बिलासपुर स्थित कोनी निवासी श्री ओम अग्रवाल ने योजना के तहत अपने दोनों घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित किए हैं। पहले उन्होंने छह किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल घरेलू उपयोग के लिए लगवाया, जिसके लाभ को देखते हुए व्यावसायिक उपयोग हेतु अपने पुत्र मुरली अग्रवाल के नाम पर 10 किलोवाट का अतिरिक्त पैनल भी लगवाया। सौर ऊर्जा से अब उनके घर और व्यवसाय दोनों का बिजली बिल न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। श्री अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में व्यवसाय में बिजली की अधिक खपत के कारण बिल काफी अधिक आता था, परंतु अब सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन होने पर यह समस्या समाप्त हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना दीर्घकालिक दृष्टि से अत्यंत किफायती एवं उपयोगी है। उनके पौत्र संस्कार अग्रवाल ने जानकारी दी कि दोनों सोलर पैनल स्थापित करने में लगभग नौ लाख रुपये की लागत आई, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 2 लाख 16 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। वर्तमान में दोनों घरों की छतों पर कुल 16 किलोवाट का सोलर पैनल संचालित हो रहा है, जिससे प्रतिमाह बिजली बिल में भारी कमी आई है। परिवार का कहना है कि इस योजना में एक बार का निवेश कर 25 वर्षों तक निरंतर बिजली आपूर्ति प्राप्त की जा सकती है। साथ ही कंपनी द्वारा नियमित मेंटेनेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने आम नागरिकों से

अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को छतों पर रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग प्रणाली से ग्रिड से जुड़ता है, जिससे उपभोक्ता द्वारा खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई होकर न केवल बिजली बिल शून्य कर देती है, बल्कि अतिरिक्त आमदनी भी उपलब्ध कराती है। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। एक किलोवॉट क्षमता का प्लांट औसतन 120 यूनिट प्रतिमाह उत्पादन होता है। केन्द्र सरकार द्वारा इसके लिए 30 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 15 हजार रूपए इस प्रकार कुल 45 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाती है। दो किलोवॉट क्षमता का प्लांट लगाने पर औसतन 240 यूनिट प्रतिमाह विद्युत उत्पादन होता है। इस पर कुल 90 हजार रूपए की सब्सिडी में केंद्र द्वारा 60 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए शामिल है। इसी तरह 3 किलोवॉट क्षमता का सौर ऊर्जा प्लांट लगाने से औसतन 360 यूनिट प्रतिमाह विद्युत उत्पादन होता है। इस प्लांट के लगाने वाले हितग्राही को कुल एक लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी मिलती है, जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए दिए जाते हैं। हितग्राही को सौर प्लांट स्थापना के लिए ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे आसानी से सौर प्लांट स्थापित कर सकें। इस योजना से न केवल कम बिजली बिल और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित हो रही है, बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

संपादकीय

बदरूप होता टकराव

पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को टीएमसी और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी बहस हुई। विपक्षी विधायकों के हंगामे के बाद स्पीकर ने बीजेपी के चीफ व्हिप शंकर घोष को सस्पेंड कर दिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को जो कुछ हुआ वह सदन की गरिमा और मर्यादा को तार-तार करने वाला है। टीएमसी और भाजपा के बीच की तल्खी विशेष सत्र के आखिरी दिन सतह पर आ गई। दोनों दलों में तगड़ी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और मतभेद हैं। सदन का इस्तेमाल इस पर सार्थक वाद-विवाद व चर्चा के लिए किया जा सकता था। सीएम ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी का आरोप है कि भाजपा शासित राज्यों में रहने वाले पश्चिम बंगाल के लोगों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। सदन में इसी पर चर्चा होनी थी, लेकिन जब विपक्षी विधायकों ने वेल में पहुंच कर हंगामा किया तो स्पीकर ने भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष को सस्पेंड कर दिया। उनको बाहर निकालने के लिए मार्शल बुलाने पड़े। इस दौरान वह बेहोश हो गए। प्रवासी बांग्ला भाषियों का मुद्दा ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी के लिए बेहद संवेदनशील है। वह इसे बांग्ला अस्मिता व पहचान से जोड़कर आगे बढ़ रही हैं। कुछ अरसा पहले उन्होंने यहां तक कह दिया था कि दूसरे राज्यों में गए बंगाल के लोग लौट आएं, सरकार उनका ख्याल रखेगी। तीन दिन पहले जब कोलकाता में लगे तृणमूल कांग्रेस के अस्थायी मंच को सेना ने हटा दिया था, तब भी काफी बवेला मचा था। तब सेना की तरफ से बताया गया था कि पार्टी ने परमिशन खत्म होने के बाद भी मंच नहीं हटाया था, इसलिए उसे कार्रवाई करनी पड़ी।पश्चिम बंगाल एक लंबे अरसे से केंद्र और राज्य के बीच टकराव का मैदान बना हुआ है। राज्यपाल के अनधिकृत दखल से लेकर एसआईआर तक - विवाद के कई बिंदु हैं। पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी और जगदीप धनखड़ व मौजूदा गवर्नर सीवी आनंद बोस के साथ राज्य के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे। केशरीनाथ ने जाते-जाते ममता पर तुष्टिकरण का आरोप लगा दिया था, तो धनखड़ ने कहा था कि बंगाल में लोकतांत्रिक हालात सही नहीं हैं। वहीं, ममता का आरोप है कि राजभवन के जरिये केंद्र उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है।विपक्ष शासित किसी और सूबे की तुलना में बंगाल में केंद्र-राज्य संघर्ष ज्यादा आक्रामक है। इसकी वजह है वहां की सियासत। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा पहली बार मुख्य विपक्षी पार्टी बनी थी। तब से वह अपना स्पेस लगातार बढ़ाने की कोशिश में है, जबकि टीएमसी के सामने चुनौती है अपनी जगह बचाए रखने की। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। चुनावी तारीख नजदीक आने के साथ टकराव और गहरा होगा।

श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनेक लोक प्रचलित पद्धतियां हो सकती है। दुनिया भर में अपने पूर्वजों की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए कुछ करने का प्रचलन है। हमारे अपने देश के हर समाज में, हर वर्ग में पुरखों के नाम पर यज्ञ, तप, दान, स्वाध्याय आदि किया जाता है। यहां भूखों को भोजन कराने, जरूरतमंदों की मदद करने की प्रथा रही है। बेशक कालान्तर में कर्मकांड इतने हावी हो गये कि वह अपने उद्देश्य से इतर सक्रिय हो गई। सद्इच्छा पर दबाव हावी हो गया। अनेक बार तो ऐसा न कर पाने पर सामाजिक बहिष्कार तक की नौबत आने लगी जिससे श्राद्ध के प्रति धारणा बदलने लगी। अनेक मत, अंध विश्वास तो इसे कोरा कर्मकांड और पाखंड तक कहने लगे।

दिवंगत पूर्वजों को श्रद्धा से स्मरण करने का नाम है श्राद्ध

(डा. विनोद बब्बर)

7 सितंबर से पितृपक्ष आरंभ हो रहे हैं। भारतीय संस्कृति अपने पूर्वजों को भी श्रद्धा से स्मरण करने की परंपरा है। भाद्रपद मास की समाप्ति और आश्विन मास के आरंभ अर्थात ऋतु संधि के अवसर पर सर्वश्रद्धया दत्तं श्राद्धम् (जो कुछ श्रद्धा से किया जाए वह सब श्राद्ध) कहलाता है। श्रत् नामक वृत्ति को धारण करने का नाम श्राद्ध कहलाता है। इसी श्राद्ध भाव से संबंध रखने के कारण आश्विन का कृष्णपक्ष श्राद्ध पक्ष कहलता है। इसमे परिजन अपने पुरखों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनेक लोक प्रचलित पद्धतियां हो सकती है। दुनिया भर में अपने पूर्वजों की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए कुछ करने का प्रचलन है। हमारे अपने देश के हर समाज में, हर वर्ग में पुरखों के नाम पर यज्ञ, तप, दान, स्वाध्याय आदि किया जाता है। यहां भूखों को भोजन कराने, जरूरतमंदों की मदद करने की प्रथा रही है। बेशक कालान्तर में कर्मकांड इतने हावी हो गये कि वह अपने उद्देश्य से इतर सक्रिय हो गई। सद्इच्छा पर दबाव हावी हो गया। अनेक बार तो ऐसा न कर पाने पर सामाजिक बहिष्कार तक की नौबत आने लगी जिससे श्राद्ध के प्रति धारणा बदलने लगी। अनेक मत, अंध विश्वास तो इसे कोरा कर्मकांड और पाखंड तक कहने लगे। इन तमाम विरोधाभासों के बीच मेरे जैसे व्यक्ति का मत है कि आज की भागम-भाग की जिन्दगी में हम स्वयं को भूल रहे हैं। न समय पर सोना, न समय पर जागना। अपने परिजनों संग कब भोजन किया था, यह भी याद नहीं। ऐसे में अपने पूर्वजों, अपने जनक -जननी,उनके साथ बिताये मधुरम पलों को स्मरण करने का समय किसके पास है।

पितृपक्ष को यदि कर्मकांड अथवा धार्मिक अनुष्ठान न भी माने तो भी अपने अतीत अर्थात् अपने पूर्वजों को श्रद्धा से स्मरण करते हुए स्वयं परिवार सहित खीर-पूरी खाना अपराध नहीं हो सकता। अब यदि इसमें अपने मित्रों, के अतिरिक्त किसी जरूरतमंद को भी शामिल करते हैं तो उस पर्व का महत्व साकार होता है। किसी वृद्धाश्रम अथवा अनाथाश्रम में जाकर वहां रहने वालों की ज़रूरतें पूरी करना अथवा अपने अड़ोस पड़ोस के किसी मेधावी छात्र की मदद करते हुए श्राद्ध और श्रद्धा को वर्तमान संदर्भ में महसूस किया जा सकता है। केवल मनुष्य की नहीं, अपने परिवेश के जीवों- जंतुओं के प्रति अपनी जिम्मेवारी को समझने का संकल्प भी श्राद्ध और श्रद्धा को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अब यदि हम परम्परा की बात करें तो यह कहा जाता है कि अपने पुरखों के निमित्त कुछ करने से वह उस दिवंगत आत्मा को प्राप्त होता है। इस बात से किस इंकार होगा कि बिना किसी दबाव, मजबूरी के सहर्ष अपने पुरखों के नाम पर पुण्य कार्य करने वाले के मन को असीम शांति मिलती है। व्यक्ति स्वयं को कृतकार्य मानने लगता है।

पुराणों में श्राद्ध की व्याख्या है। वायु पुराण में आत्मज्ञानी सूत जी ऋषियों से कहते हैं- हे ऋषिवृंद ! परमेष्ठि ब्रह्मा ने पूर्वकाल में जिस प्रकार की आज्ञा दी है उसे तुम सुनो। ब्रह्माजी ने कहा हैः 'जो लोग मनुष्यलोक के पोषण की दृष्टि से श्राद्ध आदि करेंगे, उन्हें पितृगण सर्वदा पुष्टि एवं संतति देंगे।'

ब्रह्म पुराण के अनुसार श्रद्धा और विश्वासयुक्त किए हुए श्राद्ध में पिंडों पर गिरी हुई जल की नन्हीं-नन्ही बूंदो से पशु-पक्षियों की योनि में पड़े हुए पितरों को पोषण होता है। जिस कुल में जो बाल्यकाल में ही मृत्यु को प्राप्त हो गए हों, वे सम्मार्जन के जल से ही तृप्त हो जाते हैं।

भारतीय संस्कृति में जन-जन का यह अटूट विश्वास है कि मृत्यु के पश्चात जीवन समाप्त नहीं होता बल्कि जीवन को एक कड़ी के रूप में माना गया है जिसमें मृत्यु भी एक कड़ी है। प्रायः मृत व्यक्ति के संबंध में यह कामना की जाती है कि अगले जन्म में वह सुसंस्कारवान तथा ज्ञानवान बने। इस निमित जो कर्मकांड संपन्न किए जाते हैं, उसका लाभ जीवात्मा को श्रद्धा से किए गए क्रियाकर्मों के माध्यम से मिलता है, अतः मरणोत्तर संस्कार, श्राद्ध कर्म से उन्हें तर्पण किया जाता है ताकि वे आत्माएं प्रसन्न रहे व

उन्हें शांति मिले। श्राद्ध भाद्रपद की पूर्णिमा से शुरू होकर अश्विनी के कृष्ण पक्ष में अमावस्या तक कुल 15 दिन की अवधि 'पितृ पक्ष' कहलाती है। इसी अवधि में पितरों के प्रति श्रद्धा के प्रतीक श्राद्धों का आयोजन घर-घर में होता है। श्राद्धों को लेकर एक पौराणिक घटना महाभारत काल से भी जुड़ी मानी गयी है जिसमें कहा गया है कि कर्ण प्रतिदिन स्वर्ण दान किया करते थे। उन्हें मरणोपरांत स्वर्ग में रहने हेतु 'स्वर्ण महल' मिला जहां प्रत्येक वस्तु सोने की थी। कर्ण इससे परेशान हो उठे। जब इसका कारण भगवान से पूछा तो पता चला कि वह प्रतिदिन सवा मन सोना दान करते थे, अन्य वस्तुओं का नहीं। यह जानकर कर्ण को बड़ा संताप हुआ व वे ईश्वर से विनती कर पंद्रह दिन के लिए पृथ्वीलोक में पुनः आए और सभी वस्तुओं का दान किया और मनुष्यों को भोजन करवाया। कहा जाता है कि इस कथा की स्मृति में ही पितरों के प्रति श्राद्ध मनाए जाने लगे।

श्राद्ध के साथ मुख्य रूप से जुड़ी व्यक्ति की श्रद्धा और भावना ही है। इसलिए आज के दिन परिवार के व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार से दूर रहकर पुनीत कार्य करेंगे। श्राद्ध कर्म में खर्च किए जाने वाला धन भी ईमानदारी से कमाई किया हुआ ही होना चाहिए। अपने पितरों को पवित्र मन से तर्पण करने हेतु वर्ष में दो दिन शुभ मान गए हैं। प्रथम मृत्यु तिथि पर व दूसरे श्राद्ध के अवसरों पर उसी तिथि पर जिस दिन वह देवलोक को गया है। प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है कि श्राद्ध के दिनों में अपने सभी भूले-बिसरों के लिए अमावस्या का दिन सर्वाधिक अनुकूल है चूंकि इस दिन पितर हमारे काफी नजदीक होते हैं। यदि किसी बाधावश सही दिनों में श्राद्ध न किया जा सके तो एकादशी के रोज भी पितरों का श्राद्ध किया जा सकता है जिसका पुण्य उन्हें प्राप्त होता है। परिवार में तीन पीढ़ियों तक का श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध करने का कर्तव्य पुत्र या निकट परिजन का होता है। श्राद्ध करते समय यह जरूरी है कि अपने पितरों का नाम लेकर ही श्रद्धांजलि दी जाए। साथ ही पवित्र जल हाथ में लेकर जौ, चावल तथा चंदन डालकर आह्वन हेतु कलश स्थापित कर तिल की ढेरी लगाकर उस पर दीपक जलाएं व आस-पास पुष्प रखें। दीपक आटे के ही बनाएं व उनमें शुद्ध घी ही काम में लें। सभी परिजन हाथ में अक्षत लेकर मृतात्मा का आह्वान करें व दीपक की लौ के सामने देखें व बची में (विश्वे देवास मंत्र बोलें, फिर अक्षत छोड़ दें) पितृभ्यो नमः आवाह यामि स्थापायामि का उच्चारण करें। इन मंत्रों के उच्चारण से पितर खुश होते हैं व उन्हें शांति मिलती है। भारतीय दर्शन के मतानुसार मृत्यु के पश्चात मनुष्य का स्थूल शरीर तो यहीं रह जाता है व उसका सूक्ष्म शरीर यानी आत्मा अपने कर्मों के अनुसार फल भोगने हेतु परलोक सिधार जाती है। श्राद्ध करते समय पितरों के प्रति मौन रखने के अलावा उनकी स्मृति में जनमानस की सेवा हेतु कुछ भी पुनीत कार्य व निर्माण भी करवाया जा सकता है।

भारतीय परंपरा मनुष्य को मरणधर्मा नहीं मानती. जिसे मरना कहा जाता है, वह वस्तुतः नया जीवन पाना है। शरीर जीर्ण हो गया- छोड़ दिया। आत्मा ने नया शरीर वैसे ही पा लिया जैसे मनुष्य कपड़े बदलता है। अच्छी संतान अपने पूर्वजों के अधूरे कार्यों को पूरा करती है। श्रद्धांजलि अर्पित करने का यह सबसे अच्छा उपाय कहा जाएगा। पुराणों में अपने पुरखों की पुण्यतिथि पर उनको जलांजलि देने का विधान है। साथ ही यह घोषित किया गया है कि पूर्वजों के शुभ कार्यों का स्मरण करके उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लेने से बड़ा पुण्य मिलता है। राम ने अपने पूर्वजों को उनके कार्यों के माध्यम से ही स्मरण किया है। पुरखों के पथ पर चलना कुलव्रत का अनुसरण करना कहा जाता है। कुलव्रत का अनुसरण करना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। जब कुलाचार उच्छिंद हो जाते हैं तो वर्णसंकरता आ जाती है।

पूर्वजों की स्मृति में आम, जामुन के फलदार वृक्ष लगाए जाते हैं। कुआं-बावड़ी खुदवाई जाते हैं। विद्या प्रसार के लिए विद्यालय- महाविद्यालय स्थापित किए जाते हैं। यज्ञ करवाए जाते हैं। द्रव्य-यज्ञ तो संपन्न लोग ही करवा सकते हैं पर भागवत का पाठ, गायत्री मंत्र का जाप आदि हर कोई कर सकता है। इसी प्रकार के शुभ कार्यों में बलिवैश्वदेव और भूखों को भोजन कराना भी आ जाता है। शरीर नष्ट हो जाने पर भी दिवंगत आत्माएं कहीं न कहीं विद्यमान रहती हैं। वहां से अपनी संतान को शुभ कार्यों में निरत देखकर आशीर्वाद देती हैं। पितरों के आशीर्वाद फलते हैं।

प्राचीन ब्राह्मणवादि ग्रंथों में देवयान और पितृयाण दो मार्गों का वर्णन मिलता है। पितरों का मार्ग दक्षिणायन मार्ग कहलाता है। इस मार्ग पर चलने वाले विविध कर्मक्षेत्रों में दक्षता प्राप्त करते हैं। दक्षतापूर्वक कार्य करने को वासुदेव कृष्ण ने योग कहा है- योगः कर्मसु कौशलम्। कुशलतापूर्वक वेदविहित कार्य करने से पितृलोक की प्राप्ति होती है। योग का मार्ग भारतीय जीवन पद्धति की मौलिक विशेषता है जिससे प्रत्येक कर्म सर्वश्रेष्ठ बन जाता है और उस पर अपनी सुविधानुसार चलकर मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बनता है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की अच्छी बातों को जितना स्मरण किया जाएगा, उतना ही उनको अपनाने की रूचि जागेगी।

पितृपक्ष के तत्काल बाद शक्ति-साधना के लिए नवरात्र का काल आता है। शक्ति-साधना का फल विजय होता है- कर्मसिद्धि होता है। विजय-दशमी का आगमन इस विकासमय परंपरा का सूचक है। कहा गया है- जैसी श्रद्धा वैसा व्यक्तित्व यो यच्छद स एव सः। गुरू परंपरा के अनुसार शास्त्राभ्यास और ज्ञानार्जन मनुष्य में दिव्यता का विकास करने वाली विधि है जबकि श्रेष्ठ कर्म करके दक्षिणायन मार्ग को अपनाना जीवन सिद्धि के द्वार खोलने वाली यज्ञ-योगमयी पद्धति है। श्राद्ध पक्ष में श्रद्धापूर्वक पितरों का स्मरण करते हुए श्रेष्ठ जीवन का अभ्यास करना कोरा कर्मकांड नहीं वर्तमान युग की आवश्यकता भी है।

जनता को राहत देगा जीएसटी सुधार

(गौरव वल्लभ)

जीएसटी सुधार की नई पहल देश की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में एक प्रभावशाली बदलाव है। इसमें दर-संरचना को नए सिरे से व्यवस्थित करके उसे दो श्रेणी में बांटा गया है और दर कम रखे गए हैं, जिससे घरेलू मांग बढ़ेगी और देश तरक्की करेगा। यह आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने, अमेरिकी टैरिफ के दुष्प्रभाव को कुंद करने और तमाम क्षेत्रों में व्यापार को सुगम बनाने के लिए उठाया गया एक रणनीतिक कदम है। एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, इससे चालू वित्त वर्ष में खपत में 1.98 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो सकेगी, जिससे परिवार, बाजार और पूरी अर्थव्यवस्था के लिए यह सुधार 'गेमचेंजर' साबित होगा।

बीते 3 सितंबर को जीएसटी परिषद ने न सिर्फ चार दरों के जटिल कर-ढांचे की इस व्यवस्था को दो सरल दरों (5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत) में श्रेणीबद्ध किया, बल्कि विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर 40 फीसदी की दर को मंजूरी दे दी। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों और बुनियादी जरूरी संसाधनों को अब निचली दो कर श्रेणी में रखा किया गया है, जिससे लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। ये तमाम बदलाव आगामी 22 सितंबर से त्योहारों के मौसम के साथ लागू होंगे।

नई दरों के मुताबिक, बाल में लगाए जाने वाले तेल, साबुन, मक्खन, घी, नमकीन, चॉकलेट, कॉफी जैसी रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजों पर अब सिर्फ पांच फीसदी जीएसटी लगेगा, जो पहले की दरों (12 से 18 फीसदी) से काफी कम है। अब न सिर्फ जीवन रक्षक दवाओं (33 प्रमुख दवाओं) को कर से बाहर कर दिया गया है, बल्कि दूध, पनीर, खाखरा (चपाती) जैसे खाद्य पदार्थों पर भी जीएसटी शून्य कर दिया गया है, जिसका मतलब है कि हर परिवार के पास ज्यादा खर्च करने लायक आमदनी बचेगी और वे अन्य वस्तुओं व सेवाओं पर अधिक खर्च कर सकेंगे। सीमेंट (इसमें जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया गया है) और गाड़ियों के कल-पुर्जे जैसे क्षेत्रों में लागत अब घटेगी, जिससे निर्माण, गाड़ियों की मांग और लघु व मध्यम उद्योगों के कामकाज में इजाफा होगा।

इन सुधारों से जुड़े प्रमुख अनुमानों के मुताबिक, 0.7 की एमपीसी (उपभोग-प्रवृत्ति) के साथ, प्रत्यक्ष उपभोग में प्रारंभिक वृद्धि 70,000 करोड़ रुपये की होगी, जबकि इससे 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व-नुकसान होगा। जैसे-जैसे नए खर्च अर्थव्यवस्था में शामिल होंगे, मांग में 1.98 करोड़ रुपये तक की वृद्धि हो सकेगी। आयकर के हालिया बदलावों को भी यदि इसमें जोड़ दें, तो करीब 5.31 लाख करोड़ रुपये की खपत बढ़ने की उम्मीद है, जो चालू वित्त वर्ष में जीडीपी का करीब 1.6 प्रतिशत हिस्सा होगा। इन दो सुधारों के बाद जीडीपी में 100 से 120 आधार अंकों में वृद्धि की उम्मीद है, जिससे चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में सात प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

एफएमसीजी, ऑटो, सीमेंट, रिटेल और स्वास्थ्य सेवा जैसे तमाम क्षेत्रों में अब तेजी आएगी। सरल अनुपालन, इनपुट क्रेडिट में सुधार और कम कागजी कार्रवाइयों से सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों के विस्तार में मदद मिलेगी, नकदी प्रवाह में सुधार होगा और रोजगार सृजन में सहायता मिलेगी। जीएसटी 2.0 सुधारों से कर अनुपालन आसान होगा और कर गणना व उसकी फाइलिंग की जटिलताएं कम होंगी। इससे कारोबारियों को लाभ मिलेगा। इस कटौती से दिन-प्रतिदिन के कामों के लिए जरूरी पूंजी का बोझ कम होगा और 'प्रोविजनल रिफंड' व स्वतः पंजीकरण जैसी सुविधाओं के कारण तरलता बढ़ेगी, जिससे जल्द पैसे पाए जा सकेंगे। दरों में कटौती के अलावा, इन सुधारों द्वारा स्वतः ऑनलाइन पंजीकरण, त्वरित रिफंड और उल्टे शुल्क ढांचे (आउटपुट की तुलना में इनपुट पर अधिक कर) से जुड़े मसलों के समाधान जैसे ढांचागत सुधार किए गए हैं, जिससे कपड़ा, उर्वरक और अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को विशेष रूप से फायदा मिलेगा।

इन बदलावों से वर्गीकरण संबंधी विवादों का भी निपटारा होगा और आत्मनिर्भर भारत के नजरिये के अनुरूप एक अधिक प्रतिस्पर्द्धी, बेहतर व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो सकेगा, जिससे अंततः व्यापार में सुगमता बढ़ेगी, उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी और त्योहारी व सालाना खरीदारी में भी इजाफा होगा। इन तमाम उपायों से नकदी के प्रवाह में सुधार होगा, अनुपालन संबंधी चुनौतियां कम होंगी और जीएसटी के तहत आर्थिक विकास व व्यावसायिक क्षमता के लिए अधिक अनुकूल माहौल बन सकेगा।

यह जीएसटी सुधार रोजमर्रा की जिंदगी में बड़ी राहत लेकर आया है। बर्तन, दूध की बोतलें, दुग्ध उत्पाद, सिलाई मशीन व उसके पुर्जों जैसी जरूरी वस्तुओं पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत किया गया है, जिससे परिवारों को किराने के मासिक खर्च में 10 से 15 प्रतिशत की बचत हो सकेगी। मुख्य भोजन और पदार्थ जैसे दूध व पनीर पर अब जीएसटी नहीं लगेगा, जिससे पोषण सुरक्षा में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य सेवाओं को भी लाभ मिला है और 33 से अधिक जीवनरक्षक दवाएं अब जीएसटी-मुक्त कर दी गई हैं। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी, थर्मामीटर और ग्लूकोमीटर पर कर घटाए गए हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा सुलभ व सस्ती हो जाएगी। कॉपी, पेंसिल, रबड़ और क्रेयॉन पर जीएसटी छूट से शिक्षा क्षेत्र को राहत मिली है और इससे छात्रों व परिवारों का खर्च कम हो सकेगा।

कृषि उपकरणों व मशीनरी पर दरों में कमी (12 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी) करके किसानों को भी लाभ दिया गया है, जिससे ग्रामीण आय बढ़ सकेगी। छोटी कारों (1200 सीसी पेट्रोल व 1500 सीसी डीजल गाड़ियों तक) और मोटरसाइकिलों (350 सीसी तक) पर लगने वाले जीएसटी को 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करने से ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मांग बढ़ सकेगी। उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भी लाभ मिला है, क्योंकि एसी, टीवी और रेफ्रिजरेटर पर अब 28 के बजाय 18 फीसदी जीएसटी लगेगा। इससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागतयोग्य

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है।

(ललित गर्ग)

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है।

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए। चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें। अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है।

जीएसटी दर में कटौती से बढ़ेगी जनता की क्रय शक्ति देश को बनाएगा विकसित : डॉ. विजय शंकर मिश्रा

बालोद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता, सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं सूचना आयोग संपर्क व न्यायिक मामलों के प्रभारी डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने मंगलवार को ग्राम जुंगेरा स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कटौती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने कहा कि एक राष्ट्र एक टैक्स की भावना को साकार करते हुए जीएसटी ने देश को जटिल कर प्रणाली से मुक्त किया है। अब इसमें दरों का सरलीकरण, उपयोगी वस्तुओं पर कर शून्य, और कई उत्पादों पर करों में 10त्न तक की कटौती जैसे क्रांतिकारी सुधार किए गए हैं।।उन्होंने कहा कि ये फैसले जनता की जेब में पैसा डालने वाले हैं, जिससे उनकी खरीदने की क्षमता बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

6,200 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि छत्तीसगढ़ को दी गई

डॉ. मिश्रा ने बताया कि 2017 से पहले 17 तरह के टैक्स और 13 सेस देश में लागू थे, जिससे व्यापारियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। जीएसटी लागू होने के बाद से देश में करदाताओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। 70 वर्षों में 66 लाख से 8 वर्षों में 85 लाख तक। जीएसटी परिषद द्वारा लिए गए निर्णयों से न केवल उद्योग, व्यापार और किसानों को लाभ मिलेगा, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा क्षेत्रों में भी राहत मिलेगी। कई जरूरी उत्पाद जैसे तेल, टूथपेस्ट, शैम्पू, पनीर, ट्रैक्टर के कलपुर्जे, बीमा, और कृषि उपकरण अब सस्ते होंगे। छत्तीसगढ़ को भी इस सुधार से बड़ा लाभ मिलने वाला है। कोयले पर लगे सेस के 50 हिस्से का राज्य को लाभ मिलेगा, जिससे अनुमानतः राज्य को हर वर्ष 2 से 3 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त आमदनी होगी। इसके अतिरिक्त, 6 हजार 200 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि भी छत्तीसगढ़ को आर्थिक सुधारों के लिए दी गई है।

कार्य योजना डेढ़ वर्ष पहले ही प्रारंभ हो चुकी थी

उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब परिषद में निर्णय लिया जाता है तो विरोध करते हैं और बाहर आकर सरकार की आलोचना करते हैं। डॉ. मिश्रा ने यह भी स्पष्ट किया कि इन सुधारों का अमेरिकी टैरिफ नीति से कोई संबंध नहीं है। इस पर कार्य योजना डेढ़ वर्ष पहले ही प्रारंभ हो चुकी थी। उक्त प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख, निर्वितमान जिला अध्यक्ष पवन साहू, नेता यज्ञदत्त शर्मा, पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश यादव, महामंत्री राकेश 'छोटू' यादव, जिला प्रवक्ता जितेंद्र साहू, कार्यालय मंत्री विनोद मोनू जैन, मीडिया प्रभारी कमल पनपालिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मनेरी में शराबखोरी, फ्री फायर व जुए पर प्रतिबंध सार्वजनिक स्थलों में असामाजिक तत्वों पर लगाम

डोंगरगांव नगर। नगर से 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मनेरी में सार्वजनिक स्थलों व शासकीय भवनों के इर्दगिर्द असामाजिक गतिविधियों से त्रस्त ग्राम प्रमुखों ने आखिरकार गाँव में असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने सख्त निर्णय लिया है। ग्राम समिति की आहुत विशेष बैठक में नवयुवकों के पसंदीदा फ्री फायर सहित शराबखोरी, ताश जुआ एवं असामाजिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संदर्भ में सरपंच ने बताया कि ग्राम में युवावर्ग पाश्चात्य संस्कृति की गर्त की ओर जा रहे हैं। मोबाईल में फ्री फायर खेलते समय व्यर्थ गंवा रहे हैं। शराबखोरी व ताश जुआ की लत ग्रामीणों को लगी हुई है। इसका दुष्परिणाम समय समय पर सामने आता है। सरपंच की माने तो कुछ उपद्रवी लोग ग्राम प्रमुखों को ही टारगेट करते हुए असभ्य ढंग से पेश आने लगे हैं। गांव के चौक चैराहों में गालीगलौज आम बात हो गई है। इसी के मद्देनजर ग्राम समिति की विशेष बैठक आहुत कर असामाजिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाते हुए अनैतिक कृत्य करने पर 10 हजार दंड एवं बताने वाले को 4 हजार के इनाम का निर्णय पारित हुआ है। रात्रि में आयोजित मैराथन बैठक में ग्राम समिति अध्यक्ष राजू निषाद, बलराम साहू, सरपंच भीषम साहू, उपसरपंच ओमकार साहू, पंच गोकुल, बली कोठारी, मोहन नेताम, रामदास नेताम, घनाराम, सुदामा साहू, आत्मा कंवर, तुलाराम विश्वकर्मा, दुल्ही कंवर व प्रभु गोंड सहित अनेक गणमान्यजन सहित ग्रामवासी बड़ी तादाद में शामिल थे।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना से महिलाएं बन रही हैं आत्मनिर्भर

दल्लीराजहरा। जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान, महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इसके तहत् जिले में महिलाओं का समुदाय आधारित स्व-सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं क्लस्टर स्तरीय संगठन के रूप में वृहद् फेडरेशन तैयार हुआ है जिसका संचालन, प्रबंधन महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। इससे इनमें कुशल नेतृत्व का विकास एवं आत्मविश्वास में वृध्दि हुई है, इसी का परिणाम है, कि महिलाएँ अब संगठनों के संचालन के साथ-साथ विभिन्न स्व-रोजगार एवं आजीविका मूलक गतिविधियों में संलग्न होकर अपने कौशल को निखार रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री के मंशानुरूप ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न आय सृजन कार्यों से जोड़कर 'लखपति दीदी' बनाने की व्यापक पहल प्रारंभ की गई है। जिसके अंतर्गत जिले में कृषि एवं कृषि संबंध गतिविधियों के अधिक संभावनाओं के दृष्टिगत स्व-सहायता समूह के महिलाओं के द्वारा हल्दी, धनिया, मिर्च, मसाला, आचार, पापड़ जैसी दैनिक उपभोग की वस्तुओं का निर्माण बड़ी मात्रा में किया जा रहा है। जिसका विक्रय समूह की दीदीयों द्वारा स्थानीय व्यापारियों, हाट बाजारों में किया जाता है। इन उत्पादित सामाग्रियों से सहायता समूह की महिलाओं विक्रय को बढ़ाने में स्थायित्व प्रदान करने हेतु उत्पादकों को आंगनबाडी केन्द्रों से लिंक किया गया है। इसका प्रारंभ विकासखंड गुरूर से प्रारंभ कराया गया है, जहाँ महिला बाल विकास द्वारा संचालित 240 आंगनबाडी केन्द्रों में सूखा राशन प्रदाय बिहान की सदस्यों द्वारा किया जा रहा है, जनपद पंचायत गुरूर के बीपीएम लक्ष्मी ठाकुर ने बताया कि विकासखंड गुरूर के आंगनबाडी केन्द्र 9 सेक्टर में विभाजित है। एसएचजी उत्पादों को बेहतर मार्केट उपलब्ध कराने हेतु इन्हे विभिन्न संस्थाओं में लिंक कराने सूखा राशन के मांग आकलन कर प्रत्येक सेक्टर हेतु 01 एसएचजी सामाग्री आपूर्ति हेतु चयनित किया गया है तथा प्रत्येक माह लगभग 12 से 15 लाख के विभिन्न सामाग्री यथा हल्दी, मिर्च, धनिया, मसाला, तेल, गुड़, सिलेंडर, हरी सब्जी, आचार आदि जिसमें से अधिकतर उत्पादों का निर्माण समूह के दीदीयों द्वारा ही किया जाता है। ग्राम चुलहापथरा की भवानी स्व-सहायता समूह की दिनेश्वरी साहू बताती है कि हमारे समूह द्वारा विगत 02 वर्षो से 02 सेक्टर से 50 से 60 आंगनबाडी केन्द्रो में सूखा राशन प्रारंभ कराया जा रहा है। प्रारंभ में उत्पादों को बाजार से क्रय कर आपूर्ति की जाती थी किंतु बिहान के सहयोग से मेरे द्वारा प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की गई है। अब मैं मसाले, बेसन आदि उत्पादों का निर्माण में स्वयं करती हूं। इससे हमें अब तक 22.50 लाख आय एवं 2.80 लाख का शुध्द लाभ भी प्राप्त हुआ है। इस प्रकार उत्पादों के स्थानीय विक्रय व्यवस्था से हमारी आमदानी के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा है इस पहल हेतु प्रशासन एवं बिहान को धन्यवाद ज्ञापित करते है।

उपभोक्ता कानून से रूबरू हुए जनप्रतिनिधि व नागरिक उपभोक्ता साक्षरता शिविर में आयोग अध्यक्ष ने किया जागरूक

उपभोक्ता साक्षरता शिविर में आयोग अध्यक्ष ने किया जागरूक

डोंगरगांव नगर। नगर में उपभोक्ताओं को जागरूक करने के उददेश्य से जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के बैनरतले उपभोक्ता साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुंडू विशेष तौर पर सम्मिलित हुए। उन्होंने शिविर के माध्यम से जनप्रतिनिधियों सहित नागरिकों को उपभोक्ता के अधिकार व प्रकृति से अवगत कराते हुए उपभोक्ता कानून की जानकारी प्रदान की। स्थानीय जनपद सभागार में 11 बजे से आहुत शिविर में जिला उपभोक्ता विवाद

प्रतितोष आयोग अध्यक्ष प्रशांत कुंडू, आयोग के सदस्य डॉ आनंद वर्गीस, एसडीएम डोंगरगांव कांत कोराम, अधिवक्ता राजनांदगाँव अमलेंदु हाजरा एवं जपँअध्यक्ष रंजीता पडौती सहित आयोग की टीम सम्मिलित हुए। इस मौके पर अध्यक्ष कुंडू ने शिविर के माध्यम से उपभोक्ता कौन है, उपभोक्ता के अधिकार क्या हैं, उपभोक्ता शिकायत क्या हैं, उपभोक्ता शिकायत कौन कर सकता है, उपभोक्ता को समाधान कहाँ, कैसे, क्या प्राप्त हो सकते हैं। उपरोक्त विषयक चर्चा कर अवगत कराते हुए उपभोक्ता कानून की जानकारी देते हुए लेनदेन की रसीद लेने अथवा यथासंभव फोन-पे से भुगतान करने की ताकीद दी। शिविर में डॉ आनंद वर्गीस ने उपभोक्ताओं के व्यवहारिक लेनदेन से आने वाली कठिनाईयों तथा ऑनलाइन भुगतान पर फोकस करते हुए बताया कि हम जन्म से ही उपभोक्ता बन जाते हैं, इसलिए हमें सदैव ही जागरूक रहने की दरकार है। शिविर का संचालन करते हुए अधिवक्ता अमलेंदु हाजरा ने पानी व हवा की खरीदी एवं एक्सपायरी डेट पर परिचर्चा करते हुए उपभोक्ता अधिकार के लिए सजग रहने अपील की। उपभोक्ता शिविर में नगर के पत्रकारगण, आधिवक्ता व नोटरी, जनपद पंचायत क्षेत्र के प्रमुख सदस्यगण, ब्लॉक के ग्राम पंचायतों के समस्त सरपंच एवं सचिव, नगर पंचायत के प्रमुख पार्षदगण, जनपद पंचायत के कर्मचारीगण सहित सुधि नागरिकगण बड़ी तादाद में शामिल हुए।

सीसी रोड निर्माण कार्य का विधायक दीपेश साहू ने किया भूमिपूजन

बेमेतरा। बेमेतरा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 03 में आज विकास की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। जिसमे विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप मे मौजूद रहे। यह सड़क पुसैया साहू के घर से घनश्याम चंद्राकर के घर तक बनेगी, जिसकी लागत राशि लगभग 7.95 लाख की है स्थानीय नागरिकों ने विधायक साहू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क निर्माण

कार्य न केवल आवागमन को सहज बनाएगा, बल्कि बेमेतरा नगर के समग्र विकास में एक नई शुरुआत साबित होगा। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बेमेतरा नगर का सतत विकास ही मेरा संकल्प है। वार्ड क्रमांक 03 में सीसी रोड निर्माण कार्य की शुरुआत हुई है। इस सड़क से नागरिकों को आवागमन में बड़ी सुविधा होगी और व्यापार, शिक्षा एवं सामाजिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि नगर के हर वार्ड में सीसी रोड, नाली, पेयजल और रोशनी जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हों। विकास केवल कागजों पर नहीं बल्कि धरातल पर दिखना चाहिए। यह सड़क निर्माण कार्य उसी दिशा में उठाया गया ठोस कदम है। साहू ने उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का सहयोग और विश्वास ही मेरी ताकत है। आपके समर्थन से हम बेमेतरा को एक आदर्श नगर बनाने के लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ रहे हैं।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, पार्षद पंचू साहू, विकाश तम्बोली गौरव साहू, रोशन दत्ता, रेवा राम निषाद, ओमेश्वरी साहू, दीनानाथ साहू सहित भाजपा कार्यकर्त्ता वार्डवासी उपस्थित रहे।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दल्लीराजहरा। आदि कर्मयोगी अभियान रेस्पोंसिव गवर्नेंस प्रोग्राम के तहत जनपद पंचायत डौण्डी के सभाकक्ष में 09 सितम्बर से 12 सितंबर तक चार दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इस कार्यशाला के माध्यम से आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत डौण्डी विकासखण्ड के कुल 66 गांवों में जनजातीय समाज के लोगों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए चयनित मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मण्डले ने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान आदिवासी बहुल डौण्डी विकासखण्ड के चयनित 66 गांवों में आदिवासी विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक गांवों से 20 वालंटियर्स का चयन किया गया है। इन वालंटियर्स में से 05 वालंटियर्स को मास्टर ट्रेनर्स बनाया गया है। ये सभी चयनित मास्टर ट्रेनर्स जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित प्रशिक्षण सह कार्यशाला में चयनित गांवों में जनजातीय गांवों में कल्याण हेतु संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के बारिकियों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मण्डले ने बताया कि चयनित गांव के आदिवासी परिवार के लोगों को उनके कल्याण हेतु संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की लाभ की जानकारी प्रदान करने हेतु ग्राम पंचायत एवं सामुदायिक भवन का भी चयन कर लिया गया है।

10 गांवो के किसानों को नहीं मिली मुआवजा राशि, कलेक्टर से लगाई गुहार

बालोद। जिले के ग्राम करहीभदर, मुजगहन, जगतरा, जामगांव और उसके आसपास के 10 से अधिक गांव के किसान अपनी समस्या लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। किसानों को उनकी जमीन अधिग्रहण के मुआवज़े की राशि अब तक खातों में नहीं आने पर कलेक्ट्रेट में आवेदन सौंपा। किसानों का कहना है कि अगर जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। मामले में किसानों की माने तो 132 केवी गुरूर-बालोद द्वितीय सर्किट विद्युत पारेषण लाइन निर्माण में भूमि क्षति और अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को अब तक मुआवजा की राशि नहीं मिल पाई है, राजस्व विभाग को सभी जरूरी दस्तावेज पासबुक की प्रतियां और जमीन से जुड़े कागजात पहले ही सौंप दिए गए हैं। इसके बावजूद उन्हें मुआवज़े की राशि अब तलक नहीं मिल पाई हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उनकी राशि खातों में नहीं डाली गई तो वे उग्र आंदोलन और धरना-प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे। किसानों ने इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन पर डाली है।

लाइन के गुजरने से फसल भी हुई चौपट

किसान गणेश साहू ने बताया कि 132केवी लाइन हमारे खेतो से होकर गुजरी है, विधुत विभाग द्वारा एचडीएफसी बैंक करीबन एक करोड़ रुपये की मुआवजा राशि डाला गया है, जिसकी जानकारी राजस्व विभाग को है, लेकिन राजस्व विभाग किसानों के खाते में मुआवजा राशि हस्तांतरित करने कोई ठोस कदम नही उठाया गया है। किसान संतोष धनकर ने बताया कि लाइन के गुजरने से उनकी फसल भी चौपट हुई हैं। मुआवजा राशि हेतु सुशासन तिहार जे समय सांकरा/क में भी आवेदन दिया गया था। एसडीएम द्वारा आश्वासन दिया गया था, की बहुत जल्द खाते में पैसा डाल दिया जाएगा। लेकिन 4 माह हो गए किसानों के खाते में मुआवजा राशि अंतरित नही की गई है।

आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में शिक्षक सम्मान सह बिदाई समारोह

बेमेतरा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, शिक्षक सम्मान एवं बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने संस्था के शिक्षकों के सम्मान में शिक्षक सम्मान समारोह का, साथ ही संस्था के द्वारा विगत दिनों सेवानिवृत्त, खेल प्रशिक्षक पी.एस.राजपूत एवं लेखापाल लेख राम भारती के सम्मान में भावभीनी बिदाई समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि के रूप मे शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष प्रेमलता नेमा उपस्थित थीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक, साहित्यकार दिनेश गौतम ने की। विशिष्ट अतिथि की भूमिका में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक, साहित्यकार, लोक कलाकार गोकुल प्रसाद बंजारे, पार्षद पंचायत साहू फरिदा बेगम, एवं धर्मवीर साहू ने निभाई।

संस्था के प्रधान पाठक रामेश्वर बंजारे एवं प्राचार्य कविता बाचपेयी ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए शिक्षकों से संस्था एवं विद्यार्थियों के हित मे सदैव पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उदबोधन में दिनेश गौतम ने सूक्तियों एवं श्लोक के माध्यम से गुरु की महिमा का प्रतिपादन किया, उन्होंने विद्यालय के प्रति अपने विशेष लगाव एवं अपने शिक्षकीय जीवन के अनुभव का भी वर्णन किया। मुख्य अतिथि प्रेमलता नेमा व पार्षद पंचू साहू ने सभी शिक्षकों को अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान की। गोकुल बंजारे एवं लेखराम भारती ने स्वरचित कविताओं के माध्यम से अपने उद्गार व्यक्त किए।

संस्था के विद्यार्थियों ने भी गीत, कविता, भाषण एवं आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम के सौंदर्य को द्विगुणित कर दिया, बच्चों ने शिक्षकों से, एक रोचक खेल के द्वारा उनके जीवन से जुड़े प्रश्नों के जवाब प्राप्त किए। कार्यक्रम का संचालन छात्रा मानसी साहू ने किया। वेदिका ने विद्यार्थियों की ओर से सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जनसेवक शिवम तिवारी की मुलाकात

बेमेतरा। भाजपा कार्यकर्ता जनसेवक शिवम तिवारी उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट किये योगी को माता भद्रकाली के तैल्यचित्र भेंट कर माता भद्रकाली के नगर बेमेतरा आगमन का निमंत्रण दिया। योगी ने सहर्ष स्वीकार किया और जल्द ही छत्तीसगढ़ आगमन की योजना पर विचार की बात कही, जनसेवक शिवम तिवारी ने बताया कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद सरल स्वभाव के हैं उनसे मिलने पर बात करने पर एक अपनापन महसुस हुआ।

पावन तख्त पटना साहिब राजगीर तीर्थ यात्रियों का टाटानगर, साकची गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों ने किया सम्मान

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ सिख समाज के बेमेतरा जिला अध्यक्ष हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा के नेतृत्व में गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 वें शहीदी दिवस के उपलक्ष में आयोजित पावन तख्त पटना साहिब एवं राजगीर तीर्थ यात्रा का टाटानगर में सिक्ख समाज की सिख पंचायत एवं सभी साकची गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों ने बड़े मान सम्मान और आदर के साथ यात्रा जत्थे एवं संगत का सत्कार किया, साथ ही लंगर की सेवा की। साकची गुरुद्वारा के प्रधान सरदार निशांन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि तीर्थ यात्रियों की सेवा करना भी किसी तीर्थ दर्शन से कम नहीं है सेवा भाव ही सबसे बड़ा धर्म है और यह भी एक प्रकार से वाहेगुरु के दर पर माथा टेकने के समान है। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा आयोजित पटना साहिब एवं राजगीर तीर्थ यात्रा जत्थे की अगुवाई करने वाले छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज बेमेतरा के जिला अध्यक्ष सरदार हरदीप सिंह राजा छाबड़ा, इंदर सिंह दत्ता, शैली छाबड़ा और यश सलूजा ने टाटानगर गुरुद्वारा के प्रधान सरदार निशान सिंह, सदस्य परमजीत सिंह काले, सिख नौजवान सभा के पूर्व प्रधान सतबीर सिंह सोमू, अधिवक्ता कुलविंदर सिंह, जसपाल सिंह जस्सी, सतनाम सिंह घुम्मन, रणधीर सिंह, सुखविंदर सिंह निक्कू, प्रितपाल सिंह, हरपाल सिंह सिद्धू, अमरपाल सिंह, बलदेव सिंह पप्पू, जगदेव सिंह, राजेश गांधी, नानक सिंह तथा बलबीर सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जत्थेदार हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने टाटानगर सिख पंचायत एवं सभी साकची गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों द्वारा तीर्थ यात्रियों का स्वागत करने लंगर की सेवा करने के लिए आभार व्यक्त किया। रायगढ़ गुरुद्वारा प्रधान महेंद्र सिंघ राजपाल, जिला अध्यक्ष प्रीतपाल सिंघ टुटेजा, लंगर सेवा का चक्रधरपुर गुरुद्वारा के प्रधान अजीत सिंघ नाश्ता सेवा, बिलासपुर जिला अध्यक्ष गुरमीत सिंघ, कवर्धा समाज सेवक गुरभेज सिंघ मुटरेजा का नाश्ता सेवा के लिए यात्रा के संयोजक हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा ने आभार व्यक्त किया। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 वे शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित पटना साहिब राजगीर दर्शन के लिए रवाना किए गए तीर्थ यात्रियों का जगह-जगह सम्मान करने के साथ चाय-नाश्ता, लंगर सेवा करने के लिए बिलासपुर, रायगढ़, चक्रधरपुर, टाटानगर की सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों और सिक्ख समाज के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वाहेगुरु से उनके इस सेवा कार्य के लिए स्वस्थ रखने की कामना की है। जत्थेदार इंदर सिंघ दत्ता, यश सिंघ सलूजा, गुरप्रीत कौर शैली छाबड़ा, प्रिंस सिंघ दत्ता, शामिल हैं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

कोण्डागांव। साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिला मुख्यालय के सभा कक्ष से एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केशकाल और बड़ेराजपुर विकासखंड के ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। कलेक्टर ने जनदर्शन में पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके आवेदनों पर त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया। जनदर्शन में आज महात्मा गांधी वार्ड कोण्डागांव की रहने वाली सविता सोनवानी ने आवास की मांग की, ग्राम पंचायत कुल्हाड़गांव के ग्रामीणों ने सीसी रोड़ की मांग की, ग्राम बाड़ागांव के सोमारू राम नाग ने किसान किताब बनवाने आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर कार्यवाही हेतु एसडीएम को निर्देशित किया। इसी तरह ग्राम आंवराभाटा के घसिया राम नेताम और ग्राम बालेंगा निवासी पनकू राम ने सीसी रोड निर्माण, की मांग की, ग्राम केवंटी निवासी राजेश पवार ने मोबाइल टावर स्थापित करने की मांग की सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर 22 आवेदन प्राप्त हुए।

कोकोड़ी एथेनॉल प्लांट के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा घेराव के बाद प्लांट आगामी आदेश तक बंद

कोण्डागांव। कोण्डागांव जिला के कोकोड़ी गांव में संचालित मां दंतेश्वरी मक्का प्रशसकरण एथेनॉल प्लांट के खिलाफ एक बार फिर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्लांट से निकलने वाला दूषित जल, गंदगी और बदबू से पूरे क्षेत्र का वातावरण दूषित हो रहा है, जिससे लोगों का जीना दूभर हो गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार की सुबह प्लांट का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। घटना की जानकारी मिलते ही कोण्डागांव एसडीएम, राजस्व अमला, पुलिस विभाग और प्लांट के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों की मांग और तत्कालीन व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने प्लांट संचालन पर रोक लगाते हुए आगामी आदेश तक उसे बंद करने के निर्देश दिए।

निजी स्कूलों की मनमानी को लेकर कोंडागांव शिशु मंदिर स्कूल एवं बीईओ ऑफिस घेराव करेगी कांग्रेस पार्टी

कोण्डागांव। कोंडागांव कांग्रेस जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम ने निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रतिक्रिया देते हुए मीडिया को बयान जारी कर कहा कि कोंडागांव जिले मे निजी स्कूलों की मनमानी दिनों दिन बढ़ती जा रही है जिस पर अंकुश लगाने 25 अगस्त 2025 को कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया था परन्तु 15 दिन होने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की गयी है सरस्वती शिशु मंदिर कोंडागांव द्वारा जिन पालकों से जबरन फीस लिया गया है उसे वापस नहीं किया गया है हमने तो केवल एक पालक से 6500 रुपए लेने की बात का जिक्र किया था वहाँ तीन पालकों से कुल 19 हजार रुपए बेवजह लिया गया है अगर वास्तविक जाँच होती है तो पता नहीं और कितने मामले सामने आएंगे,अगर प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जाती तो पालकों द्वारा जमा की गयी राशि वापस की गयी होती परन्तु मामले के संज्ञान मे आने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं करना शिक्षा विभाग के कार्यप्रणाली

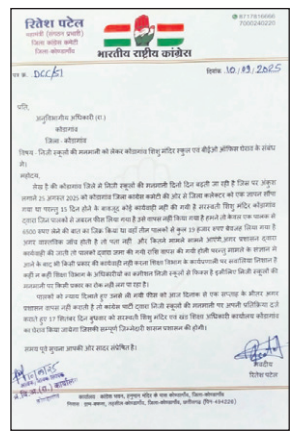

पर सवालिया निशान है कहीं न कहीं शिक्षा विभाग के अधिकारीयों का कमीशन निजी स्कूलों से फिक्स है इसीलिए निजी स्कूलों की मनमानी पर किसी प्रकार का रोक नहीं लग पा रहा है।पालकों को न्याय दिलाते हुए उनसे ली गई फीस को आज दिनांक से एक सप्ताह के भीतर अगर प्रशासन वापस नहीं कराती है तो कांग्रेस पार्टी द्वारा निजी स्कूलों की मनमानी पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कराते हुए 17 सितंबर दिन बुधवार को सरस्वती शिशु मंदिर एवं खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोंडागांव का घेराव किया जायेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

वन अतिक्रमण रोकने के लिए बम्हनी क्षेत्र में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

कोण्डागांव। जिले में वन भूमि पर अतिक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए वन विभाग द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी कड़ी में वन परिक्षेत्र नारंगी अंतर्गत उप परिक्षेत्र बम्हनी में एक विशेष भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कोंडागांव जनपद उपाध्यक्ष, ग्राम पंचायत बम्हनी के सरपंच, समस्त ग्रामवासी तथा वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। भ्रमण दल में परिक्षेत्र सहायक बम्हनी, परिसर प्रभारी बम्हनी, परिसर रक्षक चमई, कारसिंग, परिसर प्रभारी हंगवा, एवं भीरागांव के परिसर रक्षक उपस्थित रहे। परिसर बम्हनी के अंतर्गत क्षेत्रों में दल द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को वन भूमि के महत्व, अतिक्रमण की कानूनी गंभीरता, एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को वन क्षेत्र की सीमाओं की रक्षा एवं उसमें किसी भी प्रकार के गैरकानूनी अतिक्रमण से बचने के प्रति सजग करना है। संयुक्त वनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में कोंडागांव दक्षिण वन मंडल की यह कार्रवाई, वन क्षेत्र की सुरक्षा एवं संरक्षित भूमि को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वन विभाग द्वारा यह कहा गया है कि ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

द्वितीय छत्तीसगढ़ राज्य टेबल टेनिस चौंपियनशिप 2025 का आयोजन

कोण्डागांव। द्वितीय छत्तीसगढ़ राज्य टेबल टेनिस चौंपियनशिप 2025 का आयोजन कोंडागांव में जिला टेबल टेनिस संघ कोंडागांव के तत्वावधान में 19 से 21 सितंबर 2025 तक पीएम केंद्रीय विद्यालय कोंडागांव के सभागार में आयोजित की जा रही है इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 200 खिलाड़ी प्रतिदिनअपने खेल हुनर का प्रदर्शन करेंगे यह प्रतियोगिता कोंडागांव में पहली बार आयोजित की जा रही है इसको लेकर खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है प्रतियोगिता मैं प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 12 सितंबर है इसके पश्चात एंट्री मान्य नहीं होगी नगर के खेल प्रेमियों एवं नागरिकों से अनुरोध करते हैं कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक सहयोग कर 19 सितंबर को 19 वर्ष बालक बालिका व 15 वर्ष बालक बालिकाओं के मैच होंगे। 19 सितंबर को सीनियर पुरुष /महिला व 11 वर्ष के बालक बालिकाओं के मैच होंगे। 21 सितंबर को 17 वर्ष बालक बालिका व 13 वर्ष बालक बालिकाओं के मध्य मैच खेले जाएंगे ।

नवाखाई ठाकुर गायता जोहारनी पारंपरिक रूप से मनाया गया

जगदलपुर। बस्तर में बड़े हर्ष और उत्साह के साथ नवा खाई पर्व की ठाकुर / गायता जोहारनी समन्यव समिति गोंडवाना शाखा जगदलपुर बड़ी धूम धाम से बनाया गया ।नवा खाई का अर्थ है- नए अन्न का स्वागत। जब हमारे खेतों से पहली फसल आती है, तो हम उसे सबसे पहले पुरखों, धरती आया और अपने पूर्वजों को अर्पित करते हैं। नवा खाई के दिन घर में नई सदस्य (जन्म) माहला की हुई लड़की को भी बुलाकर शामिल कर परिचय के साथ परिवार में नवा खाई में शामिल करते है। (पहले होती थी,) इसके बाद ही हम उस अन्न का सेवन करते हैं। दूसरा दिन ठाकुर/ गयाता जोहारनी गांव की प्रमुख ठाकुर/ गायता घर में नवा खाई जोहारनी हेतु गांव लोग एकत्रित होते है उसके बाद सभी मिल कर बड़े छोटे को आशीर्वाद लेकर फिर जोहारनी भाटा (मैदान) या भीमा पेन जाग मैदान में पाली के लोग जोहारनी भेट मिलाप कर बड़ी हर्ष के साथ नाच,गाना रेला पाटा करके आगे साल के लिए पुरखों से आशीर्वाद लेते है। यह पर्व हमें सिखाता है कि अन्न केवल भोजन नहीं है, बल्कि यह हमारी मेहनत, परिश्रम और प्रकृति के आशीर्वाद का फल है। नवा खाई हमें आभार व्यक्त करना और मिलजुलकर सामाजिक जीवन शैली को जीवित, रहने का सिखाता है। बच्चे, बड़े को नई कपड़े व बैल के प्रति मिट्टी के बैल, व कुंडी, बुची को प्रतीकात्म रूप से जीवन शैली के सीख, सीखते है। जो हमेशा आपको के जुड़ी रहे। जौहरीन दिन सुबह से बच्चे गेंदी, / गेड़ी, गांव एक जगह गेंदी पेन ठाना पे कर सेवा अर्जी कर उसे तोढ़ देते हैं, फिर गांवों में मौसमी बीमारी के उपयोग के बारे घर घर जा कर नाचते है जैसे मलेरिया- डया डया बुरसुंडी, जफा गुपा, जापा थे, कोर हवी, दफा थे, इस प्रकार नवा खाई नई फसल धान नई बीज के साथ कुडाई पता के साथ खाने पर नई ऊर्जा पौष्टिक व,ताकत मिलती है। इस प्रकार सामाजिक एकता का पर्व ,जीवन शैली को जीवित रखने का पर्व है। इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर नये अन्न का स्वाद लेंगे, गीत गाएँगे, नृत्य करेंगे और एक-दूसरे के साथ खुशी बाँटेंगे। यही हमारी आदिवासी संस्कृति की पहचान है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत भी है।हमारी फसलें हमेशा लहलहाती रहें, हमारा गांव खुशहाल रहे और हम सब इसी तरह प्रेम और भाईचारे के साथ नवा खाई पर्व मनाते रहें।

शहीदों के परिवारों और महिला सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक फैसला, आयोग सदस्य दीपिका ने सीएम साय का जताया आभार

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के ऐतिहासिक निर्णय पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। बैठक में शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरेपूंजे की शहादत को सम्मान देते हुए उनकी पत्नी स्नेहा गिरेपूंजे को विशेष प्रकरण मानते हुए राज्य पुलिस सेवा में उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। अधिवक्ता दीपिका शोरी ने इस निर्णय को महिला सशक्तिकरण और शहीदों के परिवारों को सम्मान देने की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार का यह फैसला न केवल शहीद आकाश राव गिरेपूंजे की अदम्य वीरता को श्रद्धांजलि है, बल्कि यह कदम समाज में यह संदेश भी देता है कि हमारी सरकार महिलाओं को सम्मान और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। दीपिका शोरी ने आगे कहा कि शहीद के परिजनों को इस तरह से सशक्त बनाना आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा। यह निर्णय नारी सशक्तिकरण और सुरक्षा दोनों की दिशा में राज्य सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित पूरे मंत्रिपरिषद का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश में महिलाओं के आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी और शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखने में सहायक सिद्ध होगी।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : लोहंडीगुड़ा में किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

जगदलपुर । छत्तीसगढ़ राज्य के रजत महोत्सव के उपलक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोहंडीगुड़ा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य राज्य की 25वीं वर्षगांठ मनाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। शिविर में स्थानीय लोगों, स्वास्थ्य कर्मियों और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदान के इस पुनीत कार्य में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहयोग दिया। यह शिविर न केवल राज्य के रजत महोत्सव का हिस्सा था, बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी भी थी, जिसका पालन करना सभी का कर्तव्य है। स्थानीय प्रशासन ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके इस योगदान से कई लोगों की जान बचाई जा सकेगी। इस तरह के आयोजनों से समुदाय में परोपकार की भावना बढ़ती है और स्वास्थ्य सेवाएँ भी मजबूत होती हैं।

"शहर में ई-रिक्शा चलाकर यात्रियों को मंजिल तक पहुंचा रही सरस्वती',दीदी ई रिक्शा योजना से मिली नई दिशा

कोण्डागांव। कोंडागांव जिले के नहरपारा की रहने वाली सरस्वती नेताम आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं। कुछ समय पहले तक उनका जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। सरस्वती मजदूरी और छोटे-मोटे काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। परिवार में उनकी माँ और बड़ी बहन भी हैं, जिनकी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। आर्थिक तंगी के कारण जीवन यापन बेहद मुश्किल हो गया था। ऐसे में श्रम विभाग की दीदी ई रिक्शा योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी है।सरस्वती बताती हैं कि एक दिन उन्हें स्थानीय विधायक लता उसेंडी से दीदी ई-रिक्शा योजना के बारे में जानकारी मिली। यह योजना श्रम विभाग द्वारा संचालित की जा रही है, और इस योजना का लाभ उठाने के लिए छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत होना अनुवार्य है। जिसके बाद जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना के बारे में सुनकर सरस्वती ने हिम्मत जुटाई और आवेदन किया। उनकी पात्रता जांच के बाद उन्हें श्रम विभाग की ओर से 50 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ।इस अनुदान की मदद से सरस्वती ने एक ई-रिक्शा खरीदा। शुरुआत में उन्हें वाहन चलाने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन धैर्य और लगन से उन्होंने धीरे-धीरे इसे सीख लिया। आज सरस्वती प्रतिदिन शहर में ई-रिक्शा चलाकर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाती हैं। उनका कहना है कि इससे उन्हें महीने में 15 से 20 हजार रुपये तक की आमदनी हो जाती है। इस आमदनी से सरस्वती न केवल घर का खर्च उठा रही हैं बल्कि ई-रिक्शा की किस्त और अन्य आवश्यकताओं को भी पूरा कर पा रही हैं। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। पहले जहाँ उन्हें जीवकोपार्जन के लिए इधर-उधर काम तलाशना पड़ता था, अब उनके पास स्थायी आय का साधन है।

सरस्वती की यह कहानी उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है जो कठिनाइयों से जूझते हुए भी अपने पैरों पर खड़े होने का सपना देखती हैं। सरस्वती की मेहनत एवं आत्मविश्वास ने और शासन की जनकल्याणकारी योजना ने उनकी जिंदगी को नई दिशा दी है। सरस्वती ने बताया- इस योजना ने मुझे नई राह दिखाई है। मैं आज आत्मनिर्भर हूँ और अपने परिवार का सहारा बन पाई हूँ। सरस्वती ने शासन से मिली सहायता पर खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

अवैध रेत खनन पर संयुक्त कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर जप्त

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर अवैध खनन पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, हाई कोर्ट ने भी राज्य के सभी जिलों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि बिना स्वीकृति और नियम विरुद्ध रेत का उत्खनन एवं परिवहन न हो। इसके बावजूद कोण्डागांव जिले में अवैध रेत खनन और परिवहन लगातार जारी है। इसी क्रम में कोण्डागांव कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने अभियान छेड़ा। संयुक्त कार्रवाई के दौरान कोण्डागांव से जोंदरापदर मार्ग पर नारंगी नदी एनीकेट पुल के पास छापामार कार्यवाही की गई। यहां अर्जुन पटेल के स्वामित्व वाले दो ट्रैक्टर और पुनीत चौहान के स्वामित्व वाला एक ट्रैक्टर अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त पाए गए, जिन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया गया। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि शासन और न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए अवैध खनन और परिवहन पर सख्त कदम लगातार जारी रहेंगे। इस कार्रवाई ने खनन माफियाओं को स्पष्ट संदेश दिया है कि नियम विरुद्ध गतिविधियों पर अब कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

रजत महोत्सव : महिला एवं बाल विकास विभाग ने आयोजित किया बिटिया सम्मान कार्यक्रम

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार में बिटिया सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जगदलपुर के विधायक किरण देव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना की कल्पना को साकार करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का उददेश्य बालिकाओं को सम्मानित करना और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाना था। विधायक देव ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में मातृशक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हमारी बेटियां किसी भी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के साथ नए आयाम गढ़ रही हैं। उन्होंने बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पर आधारित नुक्कड़ नाटक की सराहना की और जोर देकर कहा कि बाल विवाह एक कानूनी अपराध है, जो भविष्य को अंधकारमय बना देता है। महापौर संजय पांडे ने विभाग को बधाई देते हुए कहा, आज देश की मातृशक्ति हर क्षेत्र में आगे है। नारी शक्ति राष्ट्र शक्ति है। कार्यक्रम में सभी ने बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसमें बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविर और विभागीय प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि किरण देव, महापौर संजय पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया और महिलाओं से चर्चा की। इस अवसर पर जिले की दसवीं और बारहवीं कक्षा की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य निर्मल पानीग्राही, सुरेश गुप्ता, त्रिवेणी रंघारी, श्वेता बघेल, पार्षद आशा साहू, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज सिन्हा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

आदर्श विद्यालय फरसगांव में 'मेरा लक्ष्य मेरा अभियान' कार्यक्रम का हुआ आयोजन'

'वन मंत्री केदार कश्यप हुए शामिल'

कोण्डागांव। फरसगांव स्थित आदर्श विद्यालय में सोमवार को वन मंत्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य में केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम के नेतृत्व में विधानसभा स्तरीय मेरा लक्ष्य मेरा अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने जीवन में स्पष्ट लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में कुल 4,000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें कॉलेज के प्रथम वर्ष के लगभग 1 हजार और कक्षा 11वीं के करीब 3 हजार छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बस्तर भूमि से जुड़े प्रेरणादायक व्यक्तित्वों को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है।वन मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र की प्रतिभाएं आज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प, गृह मंत्री अमित शाह के अदम्य साहस और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ रहा है। इससे न केवल विकास कार्यों की गति तेज होगी बल्कि बस्तर क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में हम छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना का रजत महोत्सव मना रहे हैं। इस अवसर पर हम देश के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को नमन करते हैं और उनके योगदान के लिए आभार प्रकट करते हैं।

वन मंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखें, जीवन में एक लक्ष्य तय कर उस पर एकाग्र होकर मेहनत करें और लक्ष्य प्राप्ति तक निरंतर आगे बढ़ते रहें। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी रुचि के अनुसार कैरियर का चयन करना चाहिए। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आज बस्तर की कई प्रमुख हस्तियां और प्रतिभाएं एक ही मंच पर उपस्थित हुई हैं, जो युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। शिक्षा जगत का यह आयोजन विशेष है, जिसका उद्देश्य कक्षा 11वीं और महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर उनकी आकांक्षाओं और सपनों को दिशा देना है, ताकि वे अतिथियों की जीवन यात्रा से प्रेरणा लेकर अपने भविष्य का मार्ग चुन सकें।

केदार कश्यप की लोकप्रियता से बौखलाए कांग्रेसी- पी.विजय नायडू

बस्तर। कोंटा भाजपा नेता पी. विजय नायडू ने कहा बस्तर के आदिवासी नेता केदार कश्यप की लोकप्रियता से कांग्रेसी बौखलाए हुए है कांग्रेस के लोग भ्रामक प्रचार कर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे है बस्तर के आदिवासी नेता मंत्री केदार कश्यप के खिलाफ यह बहुत बड़ा षड्यंत्र है लेकिन सफल नहीं हो पाएंगे मुद्दा विहीन कांग्रेस बेबुनियाद आरोप लगाए जाने से आरोप प्रमाणित नहीं होते,उन्होंने कहा आरोप लगाकर भाग जाना यह कांग्रेस की वर्षों चली आ रही चाल चरित्र है।विजय ने कहा कि मंत्री केदार कश्यप ने पूरे बस्तर के प्रत्येक क्षेत्रों मे विकास कार्यों पर जोर दे रहे हैं और बस्तर से नक्सल मुक्त करने का संकल्प भी कांग्रेसियों को चिंता में डाल दिया है यह सब कारण है जो कांग्रेसियों को आदिवासी मंत्री केदार कश्यप को बदनाम करने में मजबूर कर दिया है। जिसका जवाब बहुत जल्द मिल जायेगा।

कांग्रेसियों का करतूत चिंताजनक-पी.विजय ने कहा कि कांग्रेसियों के द्वारा फरसागुड़ा में मंत्री के कार्यालय को तोड़ फोड़ किया गया और जो पुलिस नक्सलियों के खिलाफ बस्तर के अमन के लिए प्राणों को न्योछावर कर अपनी अहम कर्तव्य निभा रहे है ऐसे महिला पुलिस कर्मचारियों पर पत्थर से हमला कर उन्हें गंभीर चोट पहुंचाना चिंताजनक है एक ओर फर्जी मारपीट को लेकर प्रदर्शन कर रहे है दूसरी ओर पुलिस कर्मचारियों को बेरहमी से मार का गंभीर चोट पहुंचा रहे है।इससे साबित होता है कांग्रेस की दोहरी राजनीति स्पष्ट है।

परफैक्ट फिगर के लिए आसन

आज महिलाएं अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक हो गई हैं और खूबसूरती के लिए आकर्षक फिगर होनी जरूरी है अर्थात छरहरे दिखना और 36-24-36 का कर्वी फिगर पाना। पतला दिखने के चक्कर में वे डाइटिंग का सहारा लेती हैं जिससे आकर्षक दिखने की अपेक्षा बीमार नजर आने लगती हैं।

त्वचा आभाहीन हो जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। आकर्षक फिगर का अर्थ है कि आपके शरीर पर अधिक चर्बी न हो। अधिक चर्बी न होने पर आप छरहरी नजर आती हैं और सब के आकर्षण का केन्द्र बन जाती हैं। इसलिए डाइटिंग के जरिए पतली कमर और कर्वी फिगर के सपने को पूरा करने की अपेक्षा योगासनों को अपनाएं, जिनकी मदद से न सिर्फ आप अपने शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकती हैं, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक लचीला और मजबूत होगा। कर्वी फिगर बनाने के लिए शरीर के तीन हिस्सों की टोनिंग पर ध्यान दें-चौड़े कंधे, पतली कमर और कमर के सुडौल निचले हिस्से। इसके लिए आप ऐसे आसनों को रूटीन में करें जो आपके शरीर को परफैक्ट शेप देने में मददगार हो सकते हों।

भुजंगासन

इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है, कमर पतली होती है और कंधे चौड़े व बाजू मजबूत होते हैं। शरीर को लचीला और सुडौल बनाने में इसका बहुत महत्व है।

- पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें।
- दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें।
- अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े।
- अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं।
- शरीर को स्ट्रैच करें और लंबी सांस लें।
- कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

सेहत के लिए अनमोल नुस्खे

- सोयाबीन के अधिक सेवन से स्तन कैंसर नहीं होता अत- अपने दैनिक आहार में सोयाबीन के बने पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।
- नियमित रूप से जुकाम की शिकायत रहने पर दूब की कोंपलों को तोड़कर उसे चटनी के समान पीस लीजिए और शहद के साथ प्रतिदिन रात्रि में लीजिए। जुकाम एकदम गायब हो जाएगा।
- पेट की किसी भी तरह की शिकायत होने पर गाढ़ा दूध का दलिया, कच्चा नारियल, पेठा व रसगुल्ला खाइए। पेट की बीमारी आपके कब्जे में होगी।
- स्तन पर अनचाहे बालों के होने को गंभीरता से लीजिए। उन्हें काटिए नहीं बल्कि मूंग दाल के उबटन से हल्का-हल्का मसाज करते हुए नियमित प्रयोग से हटा लें। यह ग्रंथि रोग के कारणों से होता है।
- बेर के पत्तों को पीसकर पानी में मथने से जो झाग उठता है, उस झाग को सिर में लगाने से बाल झडने बंद हो जाते हैं।
- अदरक के एक किलो रस में 500 ग्राम तिल का तेल मिलाकर गर्म करिए और जब केवल तेल बचा रहे, उतार कर छान कर बोतल में रखकर बंद कर रख दीजिए। इस तेल से उस अंग पर मालिश कीजिए जहां कहीं भी दर्द होता है।

रिंग फिंगर से करें वजन कम

सूर्य और यूरेनस ग्रह ऐसे हैं, जिनसे स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यूरेनस अंतःज्ञान और बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में सूर्य मुद्रा हमारे भीतर के अग्नि तत्व को संचालित करती है। अनामिका सूर्य की अंगुली है, जिसे हम रिंग फिंगर भी कहते हैं। इससे वजन कम होता है।

सूर्य मुद्रा की विधि

सूर्य की अंगुली को हथेली की ओर मोड़कर उसे अंगूठे से दबाएं। बाकी बची तीनों अंगुलियों को सीधा रखें। इसे सूर्य मुद्रा कहते हैं।

मुद्रा के लाभ

- इस मुद्रा का रोज दो बार 5 से 15 मिनट के लिए अभ्यास करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल घटता है।
- वजन कम करने के लिए यह आसान क्रिया चमत्कारी रूप से कारगर पाई गई है।
- पेट संबंधी रोगों में भी यह मुद्रा बहुत लाभदायक है।
- यह जठराग्नि को संतुलित करके पाचन संबंधी तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाती है।
- इसे नियमित करने से बेचैनी और चिंता कम होकर दिमाग शांत बना रहता है।
- यह मुद्रा शरीर की सूजन मिटाकर उसे हल्का और चुस्त-दुरुस्त बनाती है।

ओमेगा-थ्री से बच्चे रहेंगे स्वस्थ

क्या आप बच्चों को ओमेगा-थ्री देते हैं। अगर नहीं तो आज से ही देना प्रारंभ कर दें। इससे बच्चे न केवल हेल्दी होंगे वरन् उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

हम जानते हैं कि हमारे शरीर की जरूरत है अच्छे विटामिन की। पर्याप्त ठोस आहार लेने से हमारे शरीर में आवश्यक पोषण पहुंचता है। बच्चों के अच्छे पोषण के लिए मछली के तेल ओमेगा का सेवन बहुत अच्छा रहता है। मछली के तेल की खुराक के लिए अक्सर उनके रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और अन्य स्वास्थ्य लाभ अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि होती है।

बच्चों के लिए मछली तेल

बच्चों को माता-पिता मछली से उत्पादित कोई भी दवा या अन्य चीज नहीं देते, जिससे उनको संपूर्ण आहार मिल सके। मछली तेल ओमेगा-थ्री से बहुत सारे लाभ हैं।

एकाग्रता और याददाश्त में सुधार

मछली तेल के उपयोग से बच्चों में एकाग्रता में सुधार होता है। यह तेल बच्चों की स्मृति समस्याओं को दूर हटाने में एक वरदान है। मछली के तेल में ओमेगा-3 एसिड अल्पकालिक स्मृति हानि के जोखिम को कम करता है।

सीखने की क्षमता बेहतर: मछली के तेल के सेवन से बच्चों की शिक्षा पर उच्च प्रभाव पड़ता है। उनकी याददाश्त क्षमता तेजी से बढ़ती है।

रहता है दिमाग स्वस्थ

देश में मछली का तेल बहुतायत मात्रा में आता है। कई नामी गिरामी कंपनियां यह प्रॉडक्ट बेचती हैं। आप डॉक्टर से परामर्श लेकर बच्चों को रोजाना एक से दो चम्मच तेल नाश्ते या खाने में दे सकते हैं। जिससे बच्चे का दिमाग स्वस्थ रहेगा।

करता है आहार पूर्ति

मछली का तेल पूरे आहार की पूर्ति करता है। चिकित्सकों के अनुसार एडीएचडी-ओमेगा-थ्री स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है।

कोकीन को दूर हटाता है प्रोप्रानोलॉल

जानवरों पर किए गए प्रयोग से यह साबित होता दिख रहा है कि उच्च रक्तचाप और अवसाद के मरीजों को दी जाने वाली प्रचलित दवा प्रोप्रानोलॉल कोकीन की लत छुड़ाने में मददगार हो सकती है।

मालूम हो कि कोकीन दुनिया के सबसे खराब नशीले पदार्थों में एक है। इसकी गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे निजात पाने में सालों लग जाते हैं और 80 फीसदी लोग ऐसे होते हैं, जो इसे छोड़ने का प्रयास करने के दौरान छह महीने के भीतर बहुत बुरी स्थिति में पहुंच जाते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के मशहूर जर्नल न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा पहली बार साबित हुआ है कि कोकीन के सेवन की आदत से जुड़ी याददाश्तों को चिकित्सकीय उपचार के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। इस आदत की याददाश्तों के जेहन में लौटने के कारण ही इसके आदी हो चुके व्यक्ति को इसकी लत की याद आती है और ऐसे वक्त कोकीन नहीं मिलने से उसकी दशा बेहद खराब हो जाती है। इस सम्बंध में जारी शोध में शामिल डेविन म्युलर ने कहा, एफडीए द्वारा मंजूरी प्राप्त दवा कोकीन की लत छुड़ाने के लिए लोगों को दी जाती रही है। यह दवा इस लत को छुड़ाने के लिए तो प्रभावी रही है, लेकिन इससे इस लत को छोड़ने के प्रयास के दौरान जब इसके आदी व्यक्ति की हालत खराब होती है, तब यह दवा बेअसर साबित होती है। दूसरी ओर म्युलर बताते हैं कि प्रोप्रानोलॉल का सकारात्मक प्रभाव कोकीन छोड़ने का प्रयास कर रहे व्यक्ति के शरीर पर दीर्घकाल तक दिखता है। कई मामलों में यह स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि इस दवा के नियमित सेवन के बगैर भी मरीज कोकीन के दुष्प्रभावों से निजात पा सकता है।

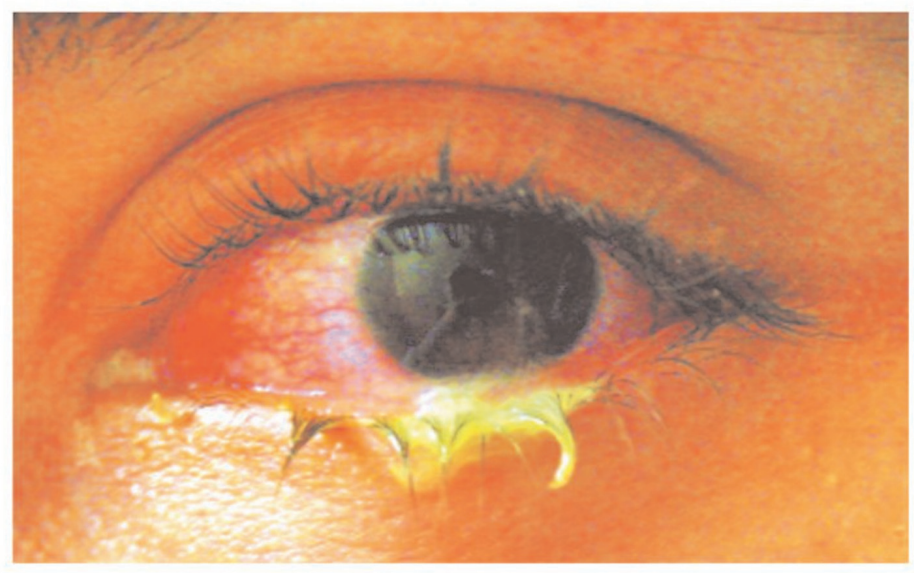

पलकों को प्रभावित करता है ब्लेफेरायटिस

ब्लेफेरायटिस पलकों के किनारे और बरोनियों की केश पुटिका को प्रभावित करता है। ब्लेफेरायटिस एक आम और कभी-कभी लंबा चलने वाला विकार है, जो प्रायः वयस्क व बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। शिकायत होने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

आपकी त्वचा पर रोससेया या तेल वाली त्वचा पर डेंड्रफ और सूखी आंख से ग्रस्त होते हैं उन्हें इस समस्या होने की ज्यादा संभावना रहती है। पलकों की ग्रंथि जो की बहुत सारा तेल नहीं बना रही हो उनमें ब्लेफेरायटिस जीवाणु का संक्रमण शुरू हो सकता है। यह दशा अत्यधिक संक्रामक नहीं होती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

ब्लेफेरायटिस की ज्यादातर दशा में सुधार तुरंत चालू हो जाता है, अगर एक बार उपचार चालू हो जाए। प्रायः उपचार लंबे समय के लिए चलना चाहिए या समय-समय पर दोहराते रहना चाहिए। ब्लेफेरायटिस दृष्टि में स्थाई नुकसान नहीं करता है।

सम्भावित अवधि

ब्लेफेरायटिस एक चिरकालिक दशा है, जो स्थाई रूप से इलाज करना मुश्किल है, लेकिन ज्यादतर दशा में सही उपचार लक्षण को नियंत्रित कर देता है और दशा को नियंत्रण में रखता है। साथ ही लक्षण समय के साथ बदलते रहते हैं। लंबे समय के लिए गायब हो सकते हैं, वह भी लौटने से पहले महीनों या सालों लग सकते हैं।

ऐसे करें बीमारी से बचाव

पलकों की साफ-सफाई ब्लेफेरायटिस के निर्माण में मदद कर सकता है और प्रायः दशा को नियंत्रित कर सकता है। अगर आपको यह शिकायत है तो आप डॉक्टर के परामर्श पर इलाज शुरू कर सकते हैं।

डॉक्टर से कब सम्पर्क करें

- पलकों या आंख के आसपास की त्वचा में उत्तेजना होने लगे।
- लाल खुजली वाली आंख।
- पलकों के आस पास पपड़ी बन जाए।
- आंखें खुजली करती रहने पर।
- आंखों में लगातार जलन होने पर।
- ऐसा मेहसूस करना कि आपकी आंख में कुछ है, जब आप पलक झपकते हों।
- लाल सूजी सी आंखें होने पर।
- बरोनिया का न होना या बरोनिया का अंदर की तरफ मुड़ना।
- पलकों के किनारे में खुजली होना या किनारे की त्वचा का टूटना।
- अत्यधिक आंसू निकलना।

मनीष पाण्डेय जी को जन्मदिन

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..

मा. श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ शासन

ईश्वर तुम्हें खुशियों भरा संसार दे
जीवन में तरक्की हजार दे
आपके होंठ कभी न भूले मुस्कुराना
जन्मदिन पर ऐसा उपहार दे।

मनीष पाण्डेय जी
संयोजक यंगिस्तान
भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़
के कार्यसमिति सदस्य व रायपुर प्रभारी

संजय नायक

शंकर साहनी

मनीष पाण्डेय जी को जन्मदिन

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.

मा. श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ शासन

– :: शुभेच्छू :: –

- माँ कनक ग्लोबल सर्विसेस प्रा. लि.
- एस. आर. फार्मेसी कॉलेज
- एस. आर. पैरामेडिकल कॉलेज
- एस. आर. वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोवाईडर
- एस. आर. हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
- लोकतंत्र प्रहरी प्रोडक्शन एंड मीडिया ग्रुप
  दुर्ग (छ.ग.)

मनीष पाण्डेय जी
भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़
के कार्यसमिति सदस्य व रायपुर प्रभारी

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com